हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 316 | बेमेतरा, गुरुवार 03 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में लगी आग, 26 मरीजों को निकाला गया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के सरकारी विक्टोरिया अस्पताल में मंगलवार को आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि अस्पताल के बर्न वार्ड में अचानक आग लग गई, जिसके बाद सभी 26 मरीजों को सुरक्षित दूसरे ब्लॉक में शिफ्ट किया गया। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मंगलवार तड़के करीब 3 बजे स्विचबोर्ड में शॉर्ट सर्किट की वजह से बर्न वार्ड में आग लगी। इस घटना में एक बिस्तर, रजिस्टर बुक और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए। आग और धुएं ने बर्न वार्ड के ग्राउंड फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। रात के समय ड्यूटी पर तैनात डॉ. दिव्या ने सबसे पहले आग और धुआं देखा और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने सभी 26 मरीजों को एच ब्लॉक के दूसरे वार्ड में सुरक्षित पहुंचाया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय बर्न वार्ड में 14 पुरुष, पांच महिलाएं और सात बच्चे भर्ती थे।

आय से अधिक संपत्ति मामले में मजीठिया की मुश्किलें बढ़ीं

चंडीगढ़। पंजाब में नशे से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार सीनियर अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। 6 लोगों की मजीठिया के खिलाफ स्टेटमेंट होने के बाद आज विजिलेंस की टीमें हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ में एक साथ रेड कर रही हैं। जबकि मजीठिया को लेकर टीम अमृतसर मजीठा गई है। सूत्रों के मुताबिक साढ़े 12 बजे तक टीम वहां पहुंच जाएगी। वहीं, इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भी एंट्री हो गई है। एनसीबी मजीठिया से पूछताछ की तैयारी कर रही है। इसके लिए एनसीबी ने विजिलेंस से संपर्क किया है। क्योंकि दावा किया जा रहा है कि यह केस एनडीपीएस से जुड़ा है। इसके अलावा अन्य एजेंसियां भी केस पर नजर रखे हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ बिक्रम सिंह मजीठिया के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट डाली गई।

सीआईए-केजीबी फंडिंग मामले में जांच के लिए न्यायिक आयोग की मांग

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला करते हुए दावा किया है कि पार्टी को कई दशकों तक अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और सोवियत संघ की केजीबी से फंडिंग मिलती रही। दुबे ने इस मामले की न्यायिक जांच आयोग से जांच कराने की मांग की और इसे भारतीय लोकतंत्र और संप्रभुता पर एक गंभीर हमला करार दिया। निशिकांत दुबे ने कहा 1947 से लेकर 2014 के बीच, कांग्रेस ने अपने शासनकाल में विदेशी ताकतों के इशारों पर काम किया। केजीबी और सीआईए जैसे विदेशी खुफिया संगठनों से पार्टी के शीर्ष नेता फंडिंग लेते रहे । और उन्हीं के अनुसार देश की नीतियां बनती रहीं। केवल अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (1998 2004) को छोड़ दें तो यह देश हमेशा विदेशी फंडिंग और एजेंडे पर चला। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए दुबे ने बताया कि उन्होंने हाल ही में दो एक्स पोस्ट किए थे।

हिमाचल प्रदेश में एक ही रात 17 जगह बादल फटे

बादल फटने से 18 की मौत 34 लापता,332 किया रेस्क्यू

शिमला। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में सोमवार रात को 17 जगह बादल फटे हैं। मंडी जिले में 15, जबकि कुल्लू और किन्नौर जिले में एक-एक जगह बादल फटा है। मंडी जिले में बारिश, बादल फटने और ब्यास नदी व नालों के रौद्र रूप से भारी तबाही हुई है। मंडी में 16 लोगों समेत पूरे प्रदेश में 18 की जान चली गई है। 33 लोग अभी लापता हैं। दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। 332 लोगों को जगह-जगह से रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई गई है। अकेले मंडी जिले में 24 घर और 12 गोशालाएं जमींदोज हो गई हैं। 30 पशुओं की मौत हो गई है। कुकलाह के समीप पटीकरी प्रोजेक्ट बह गया है। कई पुल ध्वस्त हो गए हैं। थुनाग उपमंडल में कुकलाह में भी रात को बादल फटने से आई बाढ़ में करीब आठ घरों के साथ 24 लोग बह गए। मंगलवार शाम को 9 शव मिले हैं, जबकि 21 लोग लापता है। गोहर उपमंडल के स्यांज में सोमवार रात को बादल फटने से नौ लोगों के साथ दो घर बह गए। इनमें दो के शव मिले हैं। बाड़ा में एक घर के ढहने से छह लोग दब गए। इनमें से चार को रेस्क्यू कर लिया गया, जबकि दो के शव बरामद हुए हैं। बस्सी में फंसे दो लोगों को रेस्क्यू

किया गया, जबकि परवाड़ा में मकान बहने के कारण एक ही परिवार के दो सदस्य लापता हैं। एक शव बरामद कर लिया गया है। करसोग में बादल फटने से पुराना बाजार नेगली पुल से चार लोग लापता हैं, जबकि एक शव बरामद कर लिया गया है। यहां छह घरों को नुकसान पहुंचा है। एनडीआरएफ ने लापता लोगों की खोज के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। टिकरी प्रोजेक्ट से करीब दो दर्जन लोग रेस्क्यू किए गए हैं। केलोधार में घर ढहने के कारण फंसे आठ लोगों को रेस्क्यू किया गया। लस्सी मोड़ में एक कार व रैल चौक में चार मवेशी बह गए। पटिकरी में 16 मेगावाट का एक पावर प्रोजेक्ट भी बाढ़ में बह गया। इसका नामोनिशान तक नहीं रहा है। करसोग उपमंडल के कुट्टी नाला में सोमवार रात नदी किनारे सात लोग फंस गए। इन्हें एनडीआरएफ की टीमों ने सुरक्षित बचाया। इसके अलावा एक घायल को भी रेस्क्यू किया। करसोग इमला खड्ड में रिक्की गांव से सात लोगों को सुरक्षित बचाया गया। करसोग बाईपास से भी सात लोग रेस्क्यू किए गए। करसोग कॉलेज से 12 छात्रों और चार महिलाओं को रेस्क्यू किया गया। बाढ़ के चलते इन सभी जगहों में भारी नुकसान हुआ है। सोमवार रात ब्यास नदी का पानी मंडी शहर में घुसने से रातभर लोगों में अफरातफरी मची रही। जल भराव के कारण पंडोह बाजार रात को ही खाली करवाना पड़ा। कुल्लू के आनी बैहना में कारशा नाले में बादल फटने से एनएच पूरी तरह बंद हो गया है। किन्नौर में सांगला तहसील के खरोगला में भी बादल फटा है। वहीं, चंबा में धुंध के चलते सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है।जबकि कांगड़ा में ब्यास पुल नादौन के पास पंचायत घुरकाल के नजदीक निर्माणाधीन पुल के नीचे एक महिला का शव बरामद हुआ है। धर्मपुर उपमंडल के स्याठी गांव में बादल फटने की घटना के बाद दो घर और पांच गोशालाओं को नुकसान पहुंचा है। जोगिंद्रनगर उपमंडल में नेरी कोटला में एक अज्ञात शव बरामद हुआ है। सदर उपमंडल में मंडी शहर में पैलेस कॉलोनी, टारना और डाइट मंडी में जलभराव व भारी बारिश के चलते 56 लोगों को रेस्क्यू किया गया।

बादल फटने और बारिश से एक रात में 500 करोड़ का नुकसान: सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में सोमवार रात को मंडी जिले सहित कई जगहों पर आठ बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रारंभिक आकलन में 500 करोड़ के नुकसान की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि नदी-नालों के किनारे पर न जाएं। सभी लोग नदी-नालों से करीब 500 मीटर की दूरी बनाए रखें। हिमाचल प्रदेश में भारी मूसलाधार बारिश के चलते 20 जून से 1 जुलाई तक 35667.24 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आपदा प्रबंधन की ओर से नुकसान का आकलन जारी है। लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति, बिजली बोर्ड से और भी डाटा एकत्र किया जा रहा है। हिमाचल में प्राकृतिक आपदा के चलते 406 सड़कें बंद हो गई हैं। पानी की 171 स्कीमें पूरी तरह से ठप हो गई हैं। जिला मंडी में सबसे ज्यादा 248 सड़कें, कांगड़ा में 55, कुल्लू में 37, शिमला में 32, सिरमौर में 21, चंबा में 6, हमीरपुर, ऊना में 4 सोलन में 2, हमीरपुर और किन्नौर में एक-एक सड़क बंद है। हिमाचल में 1515 बिजली ट्रांसफार्मर ठप होने से कई क्षेत्रों में ब्लैकआउट है।

शुभांशु का शानदार शोध शुरू

अंतरिक्ष में क्यों कमजोर हो जाती हैं मांसपेशियां-शुभांशु शुक्ला.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पाँच दिवसीय मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अपने पाँचवें दिन, शुक्ला और उनके साथी क्रू सदस्यों ने अंतरिक्ष उड़ान और चिकित्सा विज्ञान दोनों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ वाले प्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक कठोर शोध एजेंडे में भाग लेना जारी रखा। किए गए विभिन्न प्रोजेक्टों में, क्रू ने वॉयेजर डिस्प्ले प्रोजेक्ट में योगदान दिया, जिसका उद्देश्य आँखों की गति, सटीक संकेत पर अंतरिक्ष उड़ान के प्रभावों की जाँच करना है। तनाव और संज्ञानात्मक भार के स्तरों के साथ इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को सहसंबंधित करके, यह अध्ययन आगामी मिशनों के लिए अधिक सहज अंतरिक्ष यान इंटरफेस के डिजाइन में इंजीनियरों का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। शुभांशु शुक्ला ने वैज्ञानिक प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की। इन प्रयोगों का ध्यान मांसपेशियों के स्वास्थ्य, अंतरिक्ष के लिए मानव पाचन तंत्र के अनुकूलन और अंतरिक्ष यात्रियों की मानसिक भलाई पर केंद्रित था। उनका शोध अंतरिक्ष यात्रियों के मांसपेशियों की कमजोरी के इलाज में मदद करेगा। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए एक शैक्षिक वीडियो भी बनाया। इसमें अंतरिक्ष में पाचन तंत्र की स्थिति के बारे में बताया। मायोजेनेसिस प्रयोग, एक इसरो पहल, इस बात की पड़ताल करता है कि अंतरिक्ष में मांसपेशी कोशिकाएं कैसे पुन: उत्पन्न होती हैं, जो अंतरिक्ष यात्रियों को होने वाले मांसपेशियों के नुकसान के बारे में बताती हैं। शोध से पृथ्वी पर मांसपेशियों से संबंधित समस्याओं के लिए उपचार हो सकता है और अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। एक्स-4 मिशन में अन्य क्रू सदस्य विभिन्न शोध कर रहे हैं, जिनमें शिरा स्कैन और मस्तिष्क कंप्यूटर इंटरफेस परीक्षण शामिल हैं। मिशन आईएसएस के अभियान 73 के साथ चल रहा है।

हार्ट अटैक का 'हॉटस्पॉट' बना ये जिला! एक महीने में 18 मामलों के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

हासन। कर्नाटक के हासन जिले में हाल के दिनों में हृदय आघात के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लेते हुए, बढ़ते मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने और उनसे विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी। कि हासन जिले में पिछले एक महीने के भीतर हृदय आघात के 18 मामले सामने आए हैं, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने पहले ही विभाग के उच्च अधिकारियों को जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज।

कांग्रेस ने राज्य को पिछड़ेपन और अपराध की गर्त में धकेला

एनडीए ही लौटा सकता है बिहार का खोया गौरव-राजनाथ सिंह...

नई दिल्ली/ एजेंसी

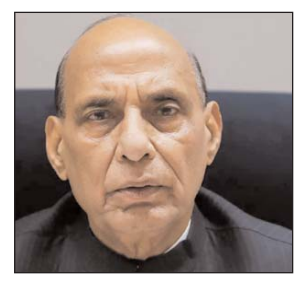

बिहार चुनाव से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पटना के दौरे पर हैं। इस दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंका और उनको जीत का मंत्र दिया। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा में हर कोई कार्यकर्ता की भावना से काम करता है, चाहे वह किसी भी पद पर हो। यही हमारी पार्टी की मजबूती का आधार है और इसी का परिणाम है कि भाजपा आज पूरे विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक संगठन की बैठक नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पूर्ति के लिए एक संकल्प सभा है, जिसे हमें बिहार और भारत दोनों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लेना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में दिखाया है कि भारत बदल सकता है और आगे बढ़ सकता है, बशर्ते नेतृत्व मजबूत हो, नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। हमें बिहार के हर निवासी के दिल में यही विश्वास जगाना है। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है...ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले। यह भी हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं। राजनाथ ने कहा कि लालूजी के मुख्यमंत्री रहते समय कर्पूरी जी की विरासत और मूल्यों दोनों को हाशिए पर डाल दिया गया। यहाँ तक की न कोई स्मृति स्थल, न कोई ठोस योजना उनके नाम पर, न कोई विचारधारा का प्रचार। मोदी जी ने न सिर्फ कर्पूरी जी का नाम नई पीढ़ी को फिर से याद दिलाया।

फोरेंसिक रिपोर्ट से हुई पुष्टि

जगन की कार ने ही रोड शो में व्यक्ति को कुचला

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर हिंसा, बेईमानी और धमकी में निहित राजनीतिक संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पूर्वी गोदावरी जिले के कोवूर में पेंशन वितरण समारोह में बोलते हुए नायडू ने मंगलवार को कहा कि जगन का नेतृत्व मानव जीवन के प्रति पूर्ण उपेक्षा को दर्शाता है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी पलनाडु में हुई एक घटना के बाद आई है, जहां जगन के काफिले में शामिल एक वाहन ने कथित तौर पर 53 वर्षीय व्यक्ति सी सिंगय्या को कुचल दिया था। नायडू ने वाईएसआरसीपी नेतृत्व की प्रतिक्रिया की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने घायल व्यक्ति को मदद दिए बिना मरने के लिए छोड़ दिया।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था जम्मू से रवाना, एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफ नहीं है

सभी धर्मों को समान मानना ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में निहित है और हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफनहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का मानना ??है कि किसी व्यक्ति का महत्व उसकी जाति, धर्म या लिंग से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों व चरित्र से निर्धारित होता है। गडकरी ने यहां एक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं से समाज सुधारकों ज्योतिबा फुले, शाहू महाराज और डॉ बी. आर. आंबेडकर के सामाजिक-आर्थिक समानता के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। हिंदुत्व कोई संकीर्ण शब्द नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व को जीवन जीने का तरीका बताया है। धर्म का मतलब कर्तव्य है। एक शिक्षक कहता है कि मैं शिक्षक का धर्म मानता हूं, एक पत्रकार कहता है कि मैं पत्रकार का धर्म मानता हूं। यहां हिंदुत्व राष्ट्रवाद है, हिंदुत्व भारतत्व है। आने वाले समय में हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफनहीं है, जिस धर्मनिरपेक्षता का प्रचार किया जाता है उसका मतलब धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है, लेकिन सही मायने में धर्मनिरपेक्ष शब्द का मतलब सभी धर्मों के बीच सद्भाव है। हमने समानता के आधार पर, सद्भाव के आधार पर संकल्प लिया है। हमारी राजनीति विकास की राजनीति है। हम पानी, उद्योग, कृषि, उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में उड़ान भरना चाहते हैं। इस समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण को सर्वसम्मति से भाजपा की महाराष्ट्र इकाई का नया अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा, हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में निहित है।

हिंदुत्व कोई संकीर्ण शब्द नहीं है

हिंदुत्व कोई संकीर्ण शब्द नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व को जीवन जीने का तरीका बताया है। धर्म का मतलब कर्तव्य है। एक शिक्षक कहता है कि मैं शिक्षक का धर्म मानता हूं, एक पत्रकार कहता है कि मैं पत्रकार का धर्म मानता हूं। यहां हिंदुत्व राष्ट्रवाद है, हिंदुत्व भारतत्व है। आने वाले समय में हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफनहीं है, जिस धर्मनिरपेक्षता का प्रचार किया जाता है उसका मतलब धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है, लेकिन सही मायने में धर्मनिरपेक्ष शब्द का मतलब सभी धर्मों के बीच सद्भाव है। हमने समानता के आधार पर, सद्भाव के आधार पर संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों को खारिज किया

हां मैं पांच साल सीएम रहूंगा....सिद्धारमैया ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज

कर्नाटक/ एजेसी

कर्नाटक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि वह पांच साल तक राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। दरअसल, सिद्धारमैया ने से पूछा गया कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें कोई शक है इससे पहले राज्य मंत्री प्रियांक खरगे ने भी राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों को खारिज किया। पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा किसने कहा कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट कहा है कि ऐसी कोई बात नहीं है। फिर इस तरह की अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? वहीं, मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी से मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। इस दौरान शिवकुमार ने चेतावनी दी कि अगर नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर कोई भी नेता सार्वजनिक बयान देता है तो उसे नोटिस जारी किया जाएगा।

शिवकुमार ने बताया कि रामनगर के विधायक एचए इकबाल हुसैन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अन्य लोगों को भी नोटिस दिए जाएंगे। बता दें कि रामनगर के विधायक एचए इकबाल हुसैन ने बयान दिया था कि डीके शिवकुमार को सीएम बनना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि मैंने किसी से मेरा नाम लेने या मुझे मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। जब मुख्यमंत्री हैं, तो किसी विवाद की कोई जगह ही नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब उनसे पूछा गया कि उनका समर्थन करने वाले विधायक मांग कर रहे हैं कि शिवकुमार को सीएम बनाया जाना चाहिए और इसके लिए विधायक पार्टी के लिए शिवकुमार की कड़ी मेहनत का हवाला दे रहे हैं।

सलका-अधीना स्वास्थ्य केंद्र ने रचा इतिहास, एनक्वास मूल्यांकन में प्रदेश में हासिल किया प्रथम स्थान

डॉक्टर दिवस पर भव्य सम्मान समारोह, चिकित्सा कर्मियों सहित पत्रकार मोहन प्रताप सिंह का भी हुआ सम्मान

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

जिले के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत सलका-अधीना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने छत्तीसगढ़ राज्य में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्वास - ह्वास) के तहत प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस उपलक्ष्य में ग्रामवासियों द्वारा डॉक्टर दिवस के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी राकेश सिंह की उपस्थिति में सलका-अधीना स्वास्थ्य केंद्र के समस्त चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान हाल ही में नियुक्त एमबीबीएस डॉक्टर आकांक्ष घृतलहरे का भी स्वागत किया गया। समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें समाजसेवी उमेश कुमार अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, तेजपाल सिंह देव, जनपद सदस्य प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह, सरपंच शिवकुमार अगरिया (सलका), अमोद मिंज (सरपंच प्रतिनिधि, अधीना), आशा सोनपाकर (सरपंच, केवटाली), प्रियेश गुप्ता (युवा नेता), ज्ञान प्रकाश दुबे, अनुराग सिंह देव, फिरोज़ खान, राजू यादव, थलेश्वर राजवाड़े, मोनू गुप्ता, अतुल कुमार गुप्ता, सोनू चौधरी, पितांबर सिंह, भृगु राजवाड़े, जगरे लाल, आशीष गुप्ता सहित अनेक ग्रामीण शामिल थे। समाजसेवी उमेश कुमार अग्रवाल और पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सलका-अधीना स्वास्थ्य केंद्र ने पूरे जिले को गर्व करने का अवसर दिया है और आने वाले समय में यह केंद्र और भी ऊंचाइयों को छुएगा। सभी ने चिकित्सा अधिकारियों को डॉक्टर दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में जिले के निडर, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकार मोहन प्रताप सिंह का जन्मदिन भी सभी की उपस्थिति में केक काटकर मनाया गया। उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी बेबाक और जनसरोकार वाली भूमिका के लिए शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम पूरे उत्साह, गरिमा और सामुदायिक भागीदारी का प्रतीक रहा, जहां स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक दायित्व दोनों का संगम देखने को मिला।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा में प्रवेश का सुनहरा अवसर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन एवं दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम चोरभट्ठी स्थित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संचालित द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अब गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। इस निर्णय से जिले के उन विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का विकल्प मिलेगा, जिन्हें गणित या बायोलॉजी विषय के साथ 12वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् रोजगारोन्मुखी कोर्स उपलब्ध नहीं हो पाते थे। प्रवेश प्रक्रिया 12वीं के अंकों के मेरिट के आधार पर की जा रही है। डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय चोरभट्ठी में गत् चार वर्षों से संचालित यह पाठ्यक्रम प्रदेश एवं देश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिए दक्ष युवा तैयार करने हेतु तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करता है।

जनता के सम्मान और समाधान को समर्पित है आरंग विधायक कार्यालय – जनदर्शन बना जनविश्वास का प्रतीक : गुरु खुशवंत साहेब

आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

सर्वोपरि है जनता का सम्मान, शीघ्र हुआ समस्या का समाधान*– इसी मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए आरंग विधानसभा के यशस्वी विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) गुरु खुशवंत साहेब द्वारा प्रत्येक बुधवार को विधायक कार्यालय, आरंग में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस जनदर्शन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याओं, आवेदनों एवं सुझावों के साथ पहुंचे। गुरु साहेब ने सभी नागरिकों की बातों को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना और स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

माननीय विधायक जी ने कहाङ्कजनता की पीड़ा को समझना और समाधान देना जनप्रतिनिधि का पहला धर्म है। मैं सदैव यह प्रयास करता हूँ कि कोई भी नागरिक निराश न लौटे, यही मेरी प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। इस जनदर्शन के माध्यम से न केवल समस्याओं का समाधान किया गया, बल्कि लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास 2 के स्वीकृति पत्र लाभार्थियों को प्रदान किए गए, साथ ही 25 से अधिक॰॥क हितग्राहियों को चाबियाँ सौंपकर उनके सपनों का घर सौंपा गया। उपस्थित लोगों ने इस कार्य हेतु माननीय गुरु साहेब के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं आमजन,क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। जनदर्शन के पश्चात भी कई नागरिकों से व्यक्तिगत भेंट कर विधायक ने उनके सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए।

नक्सली हिंसा का शिकार बना ग्रामीण, प्रेशर IED विस्फोट में गंभीर रूप से घायल

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले में मंगलवार की शाम ग्राम सिराकोंटा और दम्पाया के बीच स्थित जंगल में माओवादियों द्वारा बिछाए गए प्रेशर आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान विशाल गोटे के रूप में हुई है, जो वन उपज (फुटू) एकत्र करने जंगल गया था। घटना के वक्त वह जंगल में अकेला था और अनजाने में उसने प्रेशर आईईडी पर पैर रख दिया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि विशाल के पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मद्देड़ लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर और फिर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत नाजुक बनी हुई है और उसे विशेष निगरानी में रखा गया है।

सतर्क रहने की अपील

इस घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जंगल क्षेत्र में अत्यधिक सतर्कता बरतें।

माओवादियों द्वारा जंगलों में जगह-जगह आईईडी बिछाए जाने की आशंका बनी रहती है। यदि कहीं कोई संदिग्ध वस्तु, गतिविधि या व्यक्ति दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्षा बलों को दें। सतर्कता ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

सरपंच पति की दबंगई, दलित परिवार पर हमला, एट्रोसिटी सहित कई धाराओं मे केस दर्ज

गांव की सत्ता का नशा अब कानून के सिकंजे मे

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

लोकतंत्र के सबसे निचले स्तर के चुने गए प्रतिनिधियों का सत्ता का नशा ज़ब सर चढ़कर बोलने लगे तो न्याय की उम्मीद जनता कहाँ करे ? मामला जांजगीर के बलौदा ब्लॉक के ग्राम नवगवां का है जहाँ सरपंच के ओहदे से ज्यादा ताकतवर बन बैठा सरपंच पति ने गांव के एक दलित परिवार पर रात्रि के समय हमला कर दिया, जान से मार देने की धमकियाँ दी व जातिसूचक व अपमान जनक गालियां देते हुए रात्रि मे 3 घंटे तक पीड़ित के घर के बाहर उत्पात मचाता रहा, पीड़ित सतीश कुमार ने बताया की इसी घटना की की पुरावृति भी की, 13 और 15 जून को दोनों बार घटना को सूर्यास्त के बाद ही अंजाम दिया गया, इससे उसका पूरा परिवार भय के माहौल मे जीने को मजबूर है. पीड़ित ने मामले की शिकायत 16 जून को आजाक थाने मे की थी उसके बाद पुलिस ने 15 दिनों के गहन जांच के बाद आखिरकार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एट्रोसिटी सहित कई गंभीर धाराओं मे मामला दर्ज कर लिया है, आरोपी को जेल भेजनें की तैयारी कर रही है. वही भीम आर्मी का कहना है कि यह घटना केवल एक परिवार पर हमला नहीं हैँ बल्कि उस विकृत मानसिकता कि झलक है जो निचली जाती को आज भी बराबरी का दर्जा देने के पक्ष मे नही है चाहे इसके लिए कोई भी कानून ही क्यों ना तोडना पड़े।

लाईवलीहुड कॉलेज कारली में 9 जून को होगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार लाईवलीहुड कॉलेज कारली में 9 जून 2025 को प्रातः 11 बजे से शाम 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट कैम्प हेतु एक्सिस बैंक दंतेवाड़ा में फील्ड ऑफिसर के 50 पद, ब्रांच रिलेशनशिप ऑफिसर की 30 पद की रिक्तियां प्राप्त हुई है, इस संबंध में इच्छुक आवेदक आवेदिका निर्धारित स्थल पर अपनी शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति एक सेट छाया प्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटोग्राफसहित उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते हैं। यह आयोजन पूर्णतया निशुल्क रहेगा।

दुग्ध खाद्य पदार्थ के पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुरक्षा मानक अधिनियम का उल्लंघन, 2 प्रतिष्ठानों पर अर्थदण्ड रोपित

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

कार्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार आगामी त्योहारों के दृष्टिगत नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छ.ग. एवं कलेक्टर के आदेशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के निर्देशन में जिले के विभिन्न डेयरी प्रतिष्ठान, बेकरी फर्म होटलों, किराना दुकानों विनिर्माता व्यापारियों के खाद्य परिसर का निरीक्षण किया गया एवं विभिन्न खाद्य पदार्थों का नमूना जांच हेतु लिया गया। इस संबंध में किए गए कार्यवाही के अनुसार जिले के श्रीराम दुग्ध केन्द्र फरसपाल रोड में लिए गए नमूने दुग्ध खाद्य पदार्थ के पैकेजिंग एवं लेबलिंग खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अनुसार नहीं पाए गए। अतः खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के विचारण उपरांत आरोपी क्रमांक 1 श्रीराम दुग्ध केन्द्र फरसपाल रोड दंतेवाड़ा एवं आरोपी क्रमांक 2 बस्तर डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम-बोरपदर, तहसील-बकावंड, जिला-बस्तर, जगदलपुर को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का उल्लंघन करने व धारा 51. 64, 66 के तहत दंडनीय होने से कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए इसकी सुनवाई 30 मई 2025 को नियत की गई। उक्त प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायालय अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा संलग्न दस्तावेजों के आधार पर मानव उपयोग के लिए सुरक्षित तथा स्वास्थ्यप्रद खाद्य की उपलब्धता सुनिश्चित करने संबंधी जनस्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न होने के कारण अधिनियम की धारा 49 में उल्लेखित तथ्यों पर सम्यक विचारोपरान्त आरोपी क्रमांक 1 श्रीराम दुग्ध केन्द्र, फरसमाल रोड दंतेवाड़ा को भविष्य के लिए चेतावनी साथ प्रथम अपराध को दृष्टिगत रखते हुए अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत (पांच हजार रूपये मात्र) अर्थदण्ड से दण्डित एवं इसी प्रकार आरोपी क्रमांक 02 बस्तर डेयरी फार्म प्राईवेट लिमिटेड ग्राम बोरपदर तहसील बकावंड जिला बस्तर पर तहत रुपये 60 हजार रुपये का शास्ति अधिरोपित किया गया।

कलेक्टर ने पीएचसी अर्जुनी का किया निरीक्षण

- भवन का तकनीकी परीक्षण कर मरम्मत कराने के निर्देश

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

कलेक्टर दीपक सोनी ने बुधवार को विकासखंड कसडोल के दौरे पर निकले। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी 'ब' का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने भवन में जगह -जगह टूट -फूट होने और स्लैब के धंसने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सीजीएमसी के इंजीनियर को तकनीकी परीक्षण कराकर रिपोर्ट उच्च कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने अस्पताल के चिकित्सक कक्ष, एक्सरे रूम, महिला वार्ड, दवा वितरण कक्ष, नेत्र परीक्षण कक्ष सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होने अस्पताल में स्टॉफ की संख्या, उपस्थिति, माह में डिलीवरी की संख्या, दवाईयो की उपलब्धता आदि की जानकारी ली। ईलाज के लिए आने वाले ग्रामीणों के साथ अच्छा व्यवहार तथा अस्पताल की साफ सफाई पर ध्यान देने कहा .बताया गया कि पीएचसी भवन अर्जुनी का निर्माण सीजीएमएससी द्वारा वर्ष 2018 में किया गया है लेकिन तकनीकी खामी के कारण भवन के फर्श, दीवाल व स्लैब खराब हो रहे हैं। 10 बिस्तरीय अस्पताल में आरएमओ सहित कुल 9 स्टॉफ पदस्थ हैं। इस अस्पताल में हर माह लगभग 12 से 14 डिलीवरी होता है। बरबसपुर में उल्टी -दस्त प्रभावितो का लिया जायजा- कलेक्टर सोनी ने ग्राम बरबसपुर पहुंचकर उल्टी -दस्त से पीड़ित ग्रामीणों का हाल- चाल जाना और स्वास्थ्य के बारे में पूछ -ताछ की। ग्रामीणों ने बताया कि 4 लोगों को उल्टी- दस्त की शिकायत थी, स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाया गया था। एक मरीज सीएचसी पलारी में भर्ती है। सभी की स्थिति अब ठीक है। कलेक्टर ने ग्रामीणों को ताजा भोजन ग्रहण करने, पानी उबाल कर पीने तथा दूषित भोजन का परहेज करने की समझाईश दी। इस दौरान जल जीवन मिशन अंतर्गत पीएचई द्वारा बनाये गए पानी टंकी एवं बोर का भी अवलोकन किया और टंकी में पानी भरने व घर तक सप्लाई शुरु करने अधिकारियों को निर्देशित किया।उन्होंने गांव के महामाया तालाब को अमृत सरोवर के तहत विकसित करने सौन्दर्यीकरण हेतु प्रस्ताव तैयार करने कहा। इस दौरान एसडीएम आर. आर.दुबे, सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार अवस्थी, बीएमओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सफलता की कहानीः प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना- अशोक स्वर्णकार को महीने के बिजली बिल से मिला छुटकारा

कोंडागांव /मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। यह योजना न केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, बल्कि नागरिकों को आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रही है। योजना के तहत घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे न केवल बिजली बिल शून्य हो रहा है, बल्कि अतिरिक्त बिजली के माध्यम से आमदनी भी प्राप्त हो रही है। कोंडागांव के हास्पिटल वार्ड निवासी अशोक स्वर्णकार ने भी अपने घर की छत पर सौर पैनल लगाकर इस योजना का लाभ लिया है। उन्होंने बताया कि उन्हें स्थानीय बिजली कार्यालय से प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी मिली और वहीं से योजनांतर्गत पोर्टल पर पंजीयन भी कराया गया। उनके घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया गया, जिसे अधिकृत वेंडर द्वारा लगाया गया। प्लांट स्थापना के दो माह बाद उन्हें 78 हजार रूपए की सब्सिडी भी प्राप्त हुई। पूर्व में स्वर्णकार का मासिक बिजली बिल दो हजार से ढाई हजार रूपए तक आता था, लेकिन अब यह पूरी तरह शून्य हो गया है, जिससे उनके मासिक खर्च में राहत मिली है। उन्होंने बताया कि सौर पैनल से प्रतिदिन 15 से 20 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में आपूर्ति होकर आय का स्रोत भी बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्य की ऊर्जा के इस सदुपयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है और यह पर्यावरण संरक्षण में सहायक है। स्वर्णकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए अन्य नागरिकों से भी अपने घरों में सोलर प्लांट लगाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा घर के छतों में सौर पैनल स्थापना के लिए हितग्राहियों को प्लांट की क्षमता के आधार पर सब्सिडी दी जा रही है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार 01 किलोवॉट के लिए लगभग 65 हजार रूपए की लागत पर केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी, 02 किलोवाट के लिए 01 लाख 30 हजार रूपए की लागत पर 60 हजार रूपए की सब्सिडी और 03 किलोवाट से अधिक की सोलर संयंत्र के लिए 01 लाख 95 हजार की लागत पर 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार की सब्सिडी दी जाएगी। इसमें हितग्राही का अंशदान 10 प्रतिशत रहेगा और शेष राशि के लिए बैंकों द्वारा 07 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर रणबीर शर्मा का ग्रामीण अंचलों में निरीक्षण

शालाओं के युक्तियुक्तकरण, आंगनबाड़ी केंद्र और वृक्षारोपण स्थलों का लिया जायजा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बीते बुधवार को नवागढ़ विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर शासकीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम नारायणपुर के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल, ग्राम पुटपुरा तथा सम्बलपुर के हाई स्कूल और ग्राम गोढ़ीकला - शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालत निरीक्षण किया। कलेक्टर शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत जिले में किए गए शालाओं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की सराहना करते हुए कहा कि अब विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उन्होंने शिक्षकों से पढ़ाई की स्थिति की जानकारी ली और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति का जायजा लिया। कलेक्टर ने कक्षा-कक्षों, शौचालय, पेयजल, मध्याह्न भोजन आदि व्यवस्थाओं की भी विस्तार से जांच की और आवश्यक निर्देश दिए।* विद्यार्थियों के साथ बैंच पर बैठकर कर शिक्षक द्वारा पढ़ाई का बारीकी से अध्ययन किया । बाद में उन्होंने बच्चों को सामान्य ज्ञान और अंग्रेजी पढ़ाई । बच्चों के साथ तस्वीर खिचवाई । नीम का पौधा रोपण किया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शर्मा ग्राम तेंदुभाटा और ग्राम कौराकापा के आंगनबाड़ी केंद्र पहुँचे, जहाँ उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी । उन्होंने बच्चों के पोषण और पूर्व शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बच्चों को केला खाने को दिए । इस अवसर पर एसडीएम बेमेतरा प्रकाश भारद्वाज, श्रीमती दिव्या पोटाई, जिला कार्यक्रम अधिकारी चंद्रवेश सिंह सिसोदिया, जिला शिक्षा अधिकारी कमल कपूर बंजारे उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना , एसडीओ वन वी.एच. दुबे, जिला प्रबंधक नान अलका शुक्ला सहित अन्य अधिकारी साथ थे । इसके साथ ही उन्होंने ग्राम अमलडीहा और खैरी में वृक्षारोपण के लिए चिन्हित स्थलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर शर्मा ने जल संवर्धन निर्माण के कार्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को आगामी दिनों में वृक्षारोपण कार्य तेज गति से करने के निर्देश दिए। रणबीर शर्मा का यह समग्र निरीक्षण शिक्षा, पोषण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है, जिससे विकास की दिशा में ग्रामीण अंचलों को मजबूती मिल रही है।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने नवागढ़ ब्लॉक के मुरता में उचित मूल्य दुकान का किया औचक निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने नवागढ़ ब्लॉक के भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत मुरता स्थित उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकान में उपलब्ध खाद्यान्न की मात्रा, वितरण प्रणाली, स्टॉक रजिस्टर, उपभोक्ता सूची और वितरण की नियमितता की बारीकी से जांच की।

कलेक्टर ने हितग्राहियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और वितरण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने उचित मूल्य दुकानों में समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने, वितरण में लापरवाही न बरतने तथा हितग्राहियों की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने बताया कि सभी राशनकार्ड धारियों को माह जून से अगस्त तक तीन माह का एकमुश्त चावल देने दिया जा रहा है। उन्होंने हितग्राहियों को बताया कि माह जून से अगस्त 2025 तक के लिए निर्धारित चावल वितरण की अंतिम तिथि अब 31 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह समयावधि 30 जून 2025 निर्धारित थी। उन्होंने कहा कि शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को एक जून से चावल वितरण प्रारंभ हो गया है। उन्होंने चावल वितरण में तेजी लाने के साथ ही सभी राशनकार्ड धारियों को आगामी तीन माह का एकमुश्त चावल मिले इस पर विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चावल वितरण में गड़बड़ी की शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने उचित मूल्य के दुकानों में चावल भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली। ग्राम गोढ़ीकला में कलेक्टर शर्मा ने खाद गोदाम का निरीक्षण एवं वृक्षारोपण किया-कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बीते बुधवार को अपने नवागढ़ ब्लॉक के दौरे के तहत ग्राम पंचायत गोढ़ीकला में नाबार्ड की आरआईडीएफ योजना के अंतर्गत निर्मित कार्यालय सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोढ़ीकला के खाद गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम में रखे गए उर्वरक के भंडारण, वितरण व्यवस्था और समिति के संचालन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को समय पर किसानों को खाद उपलब्ध कराने और भंडारण में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर शर्मा ने परिसर में नीम के पौधे का भी वृक्षारोपण किया। उन्होंने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की हरियाली बढ़ाने का भी माध्यम है।

छ0ग0 सरकार का सुशासन तिहार फिसड्डी साबित हुआ, आम लोगों की शिकायत व मांग पत्र का नहीं हुआ समाधान

दंतेवाड़ा में सुशासन तिहार में कुल 1017 आवेदन प्राप्त हुए थे
अधिकारियों की अकर्मण्यता के चलते आमजनों की समस्याओं का समयबद्ध नहीं हो पाया निराकरण

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने प्रदेश में रहने वाले गांव, शहर की आम जनता को होने वाले जन समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने तथा विकास कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से अप्रैल माह में सुशासन तिहार नाम से एक महत्वकांक्षी अभियान चलाया था। सुशासन तिहार शिविर में लोगों ने भी बढ़चढक़र इस हिस्सा लिया और अपने अपने गांव, मोहल्लें, वार्डो की समस्याओं को लिखकर सुशासन तिहार के मंच में जाकर जमा किया। लोगों को ऐसा लगा था जैसे अब उनकी समस्या का निराकरण तो अब हो ही जाएगा। हजारों की संख्या में लोगों ने आवेदन जमा किया। आमजनों की समस्याओं को एक निश्चित समय सीमा के अंदर समाधान किया जाना था। मगर दुर्भाग्य से दंतेवाड़ा जिले में प्राप्त 1000 से उपर आवेदन में 20 फीसदी आवेदनों का भी समाधान नहीं किया जा सका। इसके लिए सीधे तौर पर प्रशासनिक विभिन्न विभागीय अधिकारी और नगर पालिका जिम्मेदार है। जिले में सुशासन तिहार पुरी तरह से फिसडडी साबित हुआ है कहें तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।गौरतलब है कि 8 से 11 अप्रैल तक सुशासन तिहार शिविर लगाकर लोगों से समस्या, शिकायत एवं मांग संबंधी आवेदन लिए गए। 5 से 31 मई तक समाधान शिविर लगाया गया। सुशासन तिहार के नाम पर लाखों रूपए खर्च किए गए। सरकार का यह सुशासन तिहार केवल एक ढोंग दिखावा से ज्यादा कुछ नहीं था। ये हम इसलिए कह रहे हैं कि दंतेवाड़ा जिले में सुशासन तिहार कैसे फिसडडी और बेकार साबित हुआ है इसके कई उदाहरण नगर एवं गांवों में रहने वाले उन पीडितों से जाकर पता किया जा सकता है जिन्होने सुशासन तिहार में अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बड़ी उम्मीद से आवेदन जमा किया था। मालुमात करने पर ज्ञात हुआ कि अधिकांश लोगों की यही शिकायत थी कि उनकी समस्या एवं मांग का समाधान नहीं हुआ है। दंतेवाड़ा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15 के निवासी संतोष सिंह ने बताया कि उन्होने अपने वार्ड से संबंधित 3 आवेदन नगर पालिका के शिविर में जमा किए थे जिनमें पहला वार्ड के चौराहें में ब्रेकर लगाने की मांग थी। दुसरे आवेदन में हैण्डपंप को डयूल सोलर सिस्टम से जोडऩे की मांग थी तीसरी मांग में नजूल पड़े भूमि पर वार्डवासियों की मांग पर पूजा मंडप का निर्माण संबंधी आवेदन जमा किया था। तीन माह बीतने के बाद भी एक भी मांग को प्रशासन ने अब तक पूरा नहीं है। चौराहे में हादसों को रोकने के लिए ब्रेकर की मांग पर लोक निर्माण विभाग से 13 मई को एक पत्र अवश्य प्राप्त हुआ था जिसमें लिखा था कि आपके द्वारा कैलाशनगर वार्ड के अनिल बंजारा चौक में ब्रेकर निर्माण हेतु मांग किया गया है। विभाग जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर ब्रेकर लगाने का कार्य करेगा। काफी समय तक जब ब्रेकर बनाने का काम नहीं हुआ तो लोक निर्माण विभाग के एसडीओ एम.के.भौर्या से संपर्क कर उन्हें याद दिलाया गया बावजूद उन्होने इसे गंभीरता से नहीं लिया कोई जवाब नहीं दिया और अपने अकर्मण्य होने का परिचय देते कुंभकर्णी नींद के आगोश में समा गए। अप्रेल से लेकर जून भी खत्म हो चुका है मगर अब तक ना ही हैंण्डपंप में सोलर डयूल सिस्टम ही लगा न पूजा मंडप बना ना ही चौराहे में हादसों को रोकने ब्रेकर ही लगाया जा सका है। इसलिए सुशासन तिहार को फिसडडी और आम जनमानस के साथ धोखा करार देना कोई गलत बयानी नहीं होगी। जब सुनवाई 6 माह या साल भर में ही करना था तो सुशासन तिहार शिविर लगाने का क्या औचित्य था? जब समयबद्ध समस्याओं का निराकरण ही नहीं करना था तो सुशासन तिहार अभियान चलाकर शिविर के नाम पर लाखों रूपए टेंट आदि में खर्च करने का क्या औचित्य था? बता दें कि केवल नाली, सफाई, पेंडिंग पड़े नल कनेक्शन लगाने, एपीएल राशन कार्ड बनाने के सिवाय नगर पालिका ने और कोई समस्या का समाधान नहीं किया है।

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा नैला-जांजगीर के द्वारा डॉक्टर डे एवं सी ए डे पर उन्हें किया गया सम्मानित,, सम्मान के रूप में दिया गया तुलसी पौधा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

डॉक्टर डे एवं सी ए डे के उपलक्ष पर मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोन-4 अमर सुल्तानिया के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गांधी के निर्देशानुसार उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा की अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल के नेतृत्व मे विश्व डॉक्टर डे एवं सीए डे के अवसर पर उनके निवास स्थान जाकर तुलसी पौधा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया और कहां गया कि तुलसी पौधा एक महान औषधि है जिससे बड़ी-बड़ी बीमारियां दूर होती है जिस घर में तुलसी पौधा होता है वहां बीमारियों का वास नहीं होता है उक्त तुलसी पौधा उपहार स्वरूप प्राप्त कर डॉक्टर एवं सीए बहुत अधिक प्रसन्न हुए और शाखा का धन्यवाद किया उन्होंने कहा कि इस प्रकार उपहार स्वरूप तुलसी पौधा देना शाखा की एक नई पहल है जिसका हम सम्मान करते हैं। शाखा की अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल ने कहा कि हमारी शाखा द्वारा लगातार ऐसे जनहित कार्य किया जा रहा है जो समाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है इसी के तहत डॉक्टर डे पर डॉक्टर के क्लीनिक में जाकर उनका तुलसी पौधा देकर सम्मान किया गया एवं सीए के भी ऑफिस जाकर उन्हें भी तुलसी पौधा देकर सम्मानित किया गया एवं शाखा द्वारा तुलसी पौधे के महत्व को समझाया गया एवं उनसे भी शिक्षा प्राप्त की गई उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अध्यक्ष पूनम अग्रवाल ने शाखा के समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे

उक्त कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा से प्रांतीय निर्देश श्रीमती सुनीता मोदी श्रीमती शिखा अग्रवाल अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल, सचिव श्रीमती मनीषा अग्रवाल कोषाध्यक्षश्रीमती पूनम जगनी श्रीमती ममता मोदीश्रीमती सरिता शर्मा सहित सदस्यगण उपस्थित रहे।

खाद्यान्न वितरण की समय-सीमा बढ़ी, अब 31 जुलाई तक कर सकेंगे राशन का उठाव

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

राज्य सरकार ने आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न वितरण की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब जिले के सभी पात्र हितग्राही 31 जुलाई 2025 तक अपना खाद्यान्न उठाव कर सकेंगे। यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि कोई भी हितग्राही अपने मासिक खाद्यान्न से वंचित न रह जाए। दंतेवाड़ा जिले में कुल 82,600 राशन कार्डधारी परिवार पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक लगभग 83 प्रतिशत हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। वर्तमान में करीब 17 प्रतिशत हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करना शेष है। इस निर्णय से उन सभी शेष लाभार्थियों को राहत मिलेगी जो विभिन्न कारणों से निर्धारित समयसीमा में राशन नहीं ले पाए थे। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले के सभी उचित मूल्य दुकानों को निर्देशित किया गया है कि वे 31 जुलाई तक प्रतिदिन राशन वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें और पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराएं। साथ ही, लाभार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर नजदीकी राशन दुकान से अपना खाद्यान्न प्राप्त कर लें।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की समस्त योजनाओं का मिले समुचित लाभ -उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

पुनर्वास केन्द्र नारायणपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों से उप मुख्यमंत्री ने किया संवाद

नारायणपुर/मूक पत्रिका

जिले के सबसे सुदूर क्षेत्र सोनपुर, अबूझमाड़ तथा कोंडागांव के आत्मसमर्पित नक्सलियों को कौशल विकास के तहत कम्प्यूटर, सिलाई एवं अन्य प्रशिक्षण प्रदाय कराया जा रहा है। विगत तीन माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का स्वागत भारत माता की जय घोष करते हुए किया। इस अवसर पर आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उपमुख्यमंत्री से सीधा संवाद करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार के पुनर्वास नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के नक्सल संगठन का जीवन एक भटका हुआ और गुमराह से भरा जीवन था। उस खोखली विचारधारा को त्याग कर समाज के मुख्यधारा से जुड़कर बहुत ही बेहतर जीवन मिला लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जानकारी के अभाव में हम रास्ता भटक गए थे किन्तु शासन के पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर एक बेहतर जीवन जी रहे हैं। आज शासन-प्रशासन द्वारा हमें कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे हम आत्मनिर्भर बनकर समाज के मुख्यधारा में शामिल हो सके।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वनमंत्री केदार कश्यप ने उनके अनुभवों को गंभीरतापूर्वक सुना और आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता सहित सभी प्रकार आवश्यक दस्तावेज पुनर्वास केन्द्र में ही बनवाकर केन्द्र और राज्य शासन के समस्त योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने। वहीं पुनर्वास केन्द्र में उनके दैनिक दिनचर्या से अवगत होकर और भी गतिविधियों को शामिल कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने आवश्यक पहल करने, एक्सपोजर विजिट कराकर बाहरी दुनिया का भ्रमण कराने रायपुर, जगदलपुर जैसे शहर ले जाने के निर्देश दिए। ज्यादातर लोग पढ़ाई नहीं किए है उनको साक्षर बनाने के लिए आवश्यक पहल करते हुए दिनचर्या में शामिल कर खेलकूद, मनोरंजन, देशभक्ति फिल्में दिखाने सहित उनको नियमित आमदनी के स्त्रोत हासिल हो सके उस दिशा विशेष प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत को दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, उपाध्यक्ष प्रताप सिहं मण्डावी, अध्यक्ष जनपद पंचायत ओरछा नरेश कोर्राम, उपाध्यक्ष मगंडूराम नूरेटी, ग्राम पंचायत की सरपंच रजमा नुरेटी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुन्दरराज पी., कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, वनमण्डलाधिकारी ससिगानंदन के, एसडीएम गौतम चंद पाटिल, अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, सहायक आयुक्त राजेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

पुलिस मुखबिरी के शक में ग्रामीण की धारदार हथियार से हत्या

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर अपनी कायराना हरकत को अंजाम देते हुए एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि युवक पर पुलिस की मुखबिरी करने का शक था। यह घटना बीजापुर के उसूर थाना क्षेत्र के पेरमपल्ली गांव की है, जहां नक्सलियों ने 1 जुलाई को भारी संख्या में पहुंचकर युवक को उसके घर से बाहर निकाला और धारदार हथियार से हत्या कर दी।स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, नक्सलियों ने पहले युवक की पिटाई की और फिर पुलिस की मुखबिरी के शक में उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद शव को गांव में ही फेंक कर नक्सली जंगल की ओर फरार हो गए। मृतक की पहचान फिलहाल उजागर नहीं की गई है।गौरतलब है कि बीजापुर जिले में पिछले 15 दिनों में नक्सलियों ने मुखबिरी के संदेह में अब तक 6 लोगों की हत्या कर दी है। इनमें 3 ग्रामीण और 2 छात्र भी शामिल थे। यह घटना इसी कड़ी का हिस्सा बताई जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 25 वर्षों में नक्सली हिंसा में बीजापुर जिले में अब तक 1821 लोगों की जान जा चुकी है। बार-बार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और आम लोगों में डर व्याप्त है।

सुनियोजित ढंग से हत्या करने के तीन आरोपी जेल दाखिल

खैरागढ़ छुईखदान गण्डई/मूक पत्रिका

टोनही कहकर बदनाम करने की बात से क्षुब्ध होकर योजनाबद्ध तरीके से रस्सी से गला घोंटकर एवं धारदार हंसिया से गले व चेहरे में अनेकों वार कर हत्या की घटना को अंजाम देने के दो महिला सहित तीन आरोपियों को खैरागढ़ थाना पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से सभी आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इस हत्याकाण्ड का खुलासा करते हुये एसपी लक्ष्य शर्मा ने बताया कि गत माह 26 जून को थाना खैरागढ़ के ग्राम खैरबना में मोहिनी साहू नामक महिला की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या करने की सूचना पर खैरागढ़ पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना की तस्दीक किया गया। घटना मौके पर मोहिनी साहू के घर में उसकी रक्तरंजित लाश पाई गई और प्रार्थी चंद्रेश साहू की रिपोर्ट पर मौके पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 313/2025 धारा 332 , 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का अपराध कायम किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो के द्वारा आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। जिसके पालन में थाना प्रभारी खैरागढ़ एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम टीम गठित कर आरोपियों की पातासजी की जा रही थी। क्राइम सीन के आधार पर मृतिका मोहिनी साहू के पड़ोसी सविता साहू एवं उसके परिवार के ऊपर संदेह पाया गया। संदेह के आधार पर सविता साहू उसकी बेटी जसिका साहू एवं भतीजा दीपेश साहू से घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ किया गया। जो पूछताछ में लगातार पुलिस को गुमराह करते रहे लेकिन पुलिस द्वारा अलग - अलग बिंदुओं पर लगातार कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने जुर्म करना स्वीकार किया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मृतिका मोहिनी साहू आरोपिया सविता साहू को टोनही कहने तथा जादू टोना करते हो कहकर बदनाम करती थी , जिससे सविता साहू काफी क्षुब्ध हो गई थी और अपने आपको अपमानित महसूस कर रही थी। इसी बात का बदला लेने के लिये सविता साहू ने मोहिनी साहू को जान से मारने का योजना बनाया और अपनी बेटी जसिका साहू तथा भतीजा दीपेश साहू के साथ घटना दिनांक 26 जून को दोपहर लगभग दो बजे जब मोहिनी साहू अकेली थी तब तीनों छत के रास्ते से उनके घर पहुंचे। पहले सविता साहू एवं जसिका साहू ने मृतिका मोहिनी साहू का गाय बांधने वाली रस्सी से गला घोट दिया , उसके बाद पीछे से दीपेश साहू द्वारा धारदार हंसिया से लगातार कई बार मृतिका के गले व चेहरे में वार किया गया , जिससे मृतिका की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने अपराध छिपाने के लिये वापस घर आकर शरीर पर लगे खून एवं कपड़े को पानी से धो लिये तथा घटना दिनांक को सभी खेत में रहने का बहाना बनाने लगे।

शिक्षा व्यवस्था चौपट करने आमादा है सरकार, न किताबें न गणवेश, स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदों की संख्या में कटौती

रायपुर/मूक पत्रिका

पहले नए सेटअप के नाम पर स्कूलों में शिक्षकों के पदों की न्यूनतम संख्या में कटौती की, अव्यवहारिक युक्तियुक्तकरण थोपा गया और अब तक छात्रो के लिये किताबों की व्यवस्था तक नहीं कर पाने को सरकार का शिक्षा विरोधी षडयंत्र करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भाजपा सरकार नहीं चाहती है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा मिले, भाजपा सरकार नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को निः शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो इसी लिए यह सरकार सरकारी तौर पर शिक्षाव्यवस्था को ध्वस्त करने लगातार तुगलकी फरमान जारी कर रही है। स्कूल खुले 15 दिन से अधिक का समय हो चुका है लेकिन अब तक पाठ्य पुस्तक स्कैन करने का काम ही नहीं हो पाया है शिक्षक शिक्षिकाएं पठन-पाठन का काम छोड़कर स्कैन करने में पोर्टल में आ रही दिक्कतों से जूझ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि सरकार की दुर्भावना के चलते सैकड़ों सरकारी स्कूलों में तालाबंदी की नौबत आ गई है। प्रदेश में हर माह सैकड़ो की संख्या में शिक्षक सेवानिवृत हो रहे लेकिन पिछले डेढ़ साल में नियमित शिक्षक के एक भी पद पर नियुक्ति नहीं कर पाई है यह सरकार। बस्तर, सरगुजा संभाग के स्कूलों की स्थिति को सर्वविदित है अब तो क्षेत्रों में भी स्कूल बदहाल होने लगे। शिक्षकों की कमी और विषय व्याख्याता के पद रिक्त होने को लेकर राजधानी के आसपास के स्कूलों के पालक और छात्र आंदोलित हैं। मचान्दुर, टेमरी, खाती, बिलाड़ी, कोरासी धरसीवां, तिल्दा, बेमेतरा, साजा, रायपुर, बिलासपुर सहित लगभग पूरे प्रदेश में शिक्षकों की कमी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है नए सेटअप और युक्तिकरण के नाम पर यह सरकार शिक्षकों का भयादोहन कर रही है। जहां पहले से ही शिक्षक कम है वहां से भी शिक्षकों को जबरिया हटाया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और नैसर्गिक न्याय का अभाव है। न्यायालय के आदेश पर भी आंख मूंदकर बैठे हैं। सुनवाई के नाम पर प्रभावित शिक्षकों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर लेकर मनमानी थोप रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में शिक्षा विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के द्वारा अघोषित तौर पर तबादला उद्योग चलाया जा रहा है। नए शिक्षण सत्र शुरू हो चुका है, लेकिन छात्रों तक न किताब पहुंचा है न गणवेश, सरकार का फोकस शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने में बिल्कुल भी नहीं है।

10वीं या 12वीं के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर

विधायक दीपेश साहू प्रवेश उत्सव एवं अतिरिक्त कक्ष लोकार्पण कार्यक्रम में हुए शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते बुधवार को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में प्रवेश उत्सव एवं नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की।कार्यक्रम की शुरुवात ज्ञान की देवी वीणा वाहिनी माँ स्वरस्वती की छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया द्य तत्पश्चात विधायक साहू नवनिर्मिति अतिरिक्त कमरे का फीता काटकर लोकार्पण किया द्य इसके पश्चात् विधायक सहित सभी अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया द्य इस अवसर पर विधायक साहू ने स्कुल बिल्डिंग का निरक्षण किया और शाला परिवार को आश्वास्त किया की जल्द की नए भवन के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन कर एक अच्छा स्कुल बिल्डिंग बनाने के लिए राशि की मांग की जाएगी द्य जिससे छात्र निर्भीक होकर आराम से एक अच्छे माहौल मे पढ़ाई कर सके द्य इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने छात्र जीवन को स्मरण करते हुए भावुक होते हुए कहायह वही विद्यालय है जहां से मैंने शिक्षा प्राप्त की थी, और आज बतौर विधायक यहाँ आकर मैं गर्व महसूस कर रहा हूँ।उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा बच्चों, अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर मन लगाकर पढ़ाई करो। आप जिस मुकाम को पाना चाहते हो, पहले उसे सोचो, उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाओ। जब तक आप सोचोगे नहीं, तब तक आप हासिल भी नहीं कर पाओगे। आज इस स्कूल के एक पूर्व छात्र इस विद्यालय का प्राचार्य हैं–यह इस बात का प्रमाण है कि मेहनत और संकल्प से कुछ भी संभव है।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷यदि किसी छात्र या छात्रा को 10वीं या 12वीं के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी है तो वह निःशुल्क कोचिंग सेंटर श्री राम एकेडमी में एडमिशन लेकर तैयारी कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होंगी या जीवन मे आगे बढ़ने के लिए कोई सहयोग की जरूरत होंगी तो आप मुझसे बेझिझक संपर्क करें द्यकार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष गौरव साहू, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, पार्षदगण लक्की साहू, विकारा तम्बोली, आकिब मलकानी, चांदनी रोशन दत्ता, रवि मुलवानी, भाजपा नेता धर्मेंद्र साहू, कमलेश वर्मा, रेवा राम निषाद, राकेश वर्मा, ममता साहू, दिनानाथ साहू, डॉ. भुनेश्वर साहू, मनीष छाबड़ा, विजय लवानी, कोमल जैन, सुनीता यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षकगण पालक गण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन शाला प्रबंधन समिति के सदस्य गौरव साहू द्वारा किया गया।

संपादकीय

एससीओ की बैठक में गूंजा दोहरापन

आतंकवाद के मसले पर समूची दुनिया में एक राय देखी जाती है कि जब तक इसके खिलाफ संयुक्त मोर्चा नहीं खोला जाएगा, इस पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की अपेक्षा और मांग की जाती है कि किसी भी देश या समूह को इस मामले में दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए। मगर आतंकवाद की समस्या से उपजी फिक्र तब बेमानी हो जाती है जब क्षेत्रीय सहयोग के लिए गठित देशों के किसी समूह में आतंक का सामना करने को लेकर दोहरे पैमाने अपनाए जाते हैं।गौरतलब है कि चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के सम्मेलन में जो साझा बयान तैयार किया गया, उसमें बलूचिस्तान का उल्लेख तो किया गया, लेकिन पहलगाम का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले और उसकी प्रकृति को सभी देश आतंकवाद का एक क्रूर चेहरा ही मानते हैं और उसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते रहते हैं। लेकिन विचित्र है कि एससीओ की बैठक में आतंकवाद से लड़ाई के संदर्भ में पहलगाम हमले को दर्ज करना जरूरी नहीं समझा गया।इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस बैठक में तैयार संयुक्त बयान पर भारत ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और साफतौर पर कहा कि यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को नहीं दिखाता। इसके बाद यह सम्मेलन बिना संयुक्त बयान जारी किए ही समाप्त हो गया। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को जटिल बनाने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।इस तथ्य को दुनिया के ज्यादातर देश भली-भांति जानते हैं। खुद चीन के बेजिंग में कुछ वर्ष पहले हुए ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के घोषणापत्र में इस तथ्य को शामिल किया गया था कि कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। फिर पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बर हमलों में भी पाकिस्तान से आए आतंकियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद एससीओ सम्मेलन के संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया जाना क्या दर्शाता है?सवाल है कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं, तो भारत में आतंकवाद पर उनके दोहरे पैमाने दुनिया के सामने इसके खिलाफ लड़ाई का कैसा रास्ता तैयार करेंगे। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शह देने की अघोषित नीति पर काम करता है और अपनी सीमा में आतंकवादियों को पनाह देता रहा है! भारत में घुसपैठ से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आतंकी हमलों का सिरा कहां से जुड़ा होता है, यह छिपा नहीं है।विडंबना यह है कि इसके बावजूद चीन आमतौर पर पाकिस्तान के हक में खड़ा दिखता रहा है। एससीओ की बैठक के संयुक्त बयान में भी पहलगाम को शामिल न कर बलूचिस्तान का जिक्र करने की कोशिश क्या चीन का पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन नहीं है? आतंकवाद पर ऐसे दोहरे पैमाने के साथ इसके खिलाफ किस तरह की लड़ाई का दावा किया जा सकता है? इस संदर्भ में भारत ने उचित ही एससीओ के देशों, खासतौर पर चीन और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर वह किसी के सामने झुकने वाला नहीं है।

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है। ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।'उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है।

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है।

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है। उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह ब्रोकेन हो जाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन

यूनियन में कहा कि भारत में फुल स्केल एसॉल्ट हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं परजीवी बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डीप स्टेट (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां डीप स्टेट का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां डीप स्टेट का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में फ्री स्पीच की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है।

बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ़ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता।

तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशियल डंपिंग

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं।

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर ड़ाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाइल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं।

मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं। इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है।

मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे।

इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा। रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ ड़ालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दानवीर भामाशाह - स्वराज्य-संघर्ष के साक्षात संबल

वर्ष 1576 की हल्दीघाटी में प्रताप वीरता से लड़े, पर साम्राज्यवादी संसाधनों के समक्ष धनहीनता उनकी सबसे बड़ी व्यथा बनी। अपनी मातृभूमि को पुनः प्राप्त करने की आकांक्षा लिए प्रताप जंगलों में, गुफाओं में, पहाड़ियों पर आश्रय लिए हुए थे। जन और जनपद दोनों भयाक्रांत थे। यह वह काल था जब केवल एक पुरुष की आस्था उन्हें पुनर्जीवन देने आई और वे थे भामाशाह।

भामाशाह ने अपने घर के कोषागार का कोष राष्ट्र के चरणों में अर्पित कर दिया था। इतिहासकार जेम्स टॉड के अनुसार, भामाशाह ने एक ही क्षण में 25 लाख रुपए और 20 लाख अशर्फियां राणा प्रताप को समर्पित कीं, जो एक साथ 25,000 सैनिकों का एक वर्ष तक संचालन कर सकती थीं।

(प्रणय विक्रम सिंह)

जब अकबर की अतिशक्ति का अहंकार, अस्मिता के अरावली पर आक्रमण करता है, जब राजनीति केवल रणनीति बन जाए और जब अधीनता को ही अवश्यंभावी मान लिया जाए तब भामाशाह जैसे व्यक्तित्व ही होते हैं, जो इतिहास की धारा मोड़ते हैं।

वे तलवार नहीं उठाते किंतु तलवारों को साधन देते हैं। वे युद्ध में नहीं उतरते पर योद्धाओं को युद्ध के लिए सक्षम बनाते हैं। वे मंत्र नहीं पढ़ते लेकिन मंत्रियों से अधिक प्रभावशाली निर्णय लेते हैं। वे केवल व्यापारी नहीं, धर्म, धन और देश के त्रिदेव बन जाते हैं।

वे कोई साधारण वैश्य नहीं थे, वे धर्म और ध्वज के लिए समर्पित संघर्षशील संन्यासी थे। उन्होंने जब स्वर्ण की थाली नहीं, स्वत्व की थाती प्रताप के चरणों में अर्पित की, तब अकबर का अभिमान कांप उठा और मेवाड़ की मर्यादा पुनः जाग उठी।

वर्ष 1576 की हल्दीघाटी में प्रताप वीरता से लड़े, पर साम्राज्यवादी संसाधनों के समक्ष धनहीनता उनकी सबसे बड़ी व्यथा बनी। अपनी मातृभूमि को पुनः प्राप्त करने की आकांक्षा लिए प्रताप जंगलों में, गुफाओं में, पहाड़ियों पर आश्रय लिए हुए थे। जन और जनपद दोनों भयाक्रांत थे। यह वह काल था जब केवल एक पुरुष की आस्था उन्हें पुनर्जीवन देने आई और वे थे भामाशाह।

भामाशाह ने अपने घर के कोषागार का कोष राष्ट्र के चरणों में अर्पित कर दिया था। इतिहासकार जेम्स टॉड के अनुसार, भामाशाह ने एक ही क्षण में 25 लाख रुपए और 20 लाख अशर्फियां राणा प्रताप को समर्पित कीं, जो एक साथ 25,000 सैनिकों का एक वर्ष तक संचालन कर सकती थीं।

यह दान नहीं था, यह धन राष्ट्रयज्ञ में आहुति थी। यह करुणा नहीं, बल्कि कर्तव्य का क्रांति-स्वरूप था। वे बोले 'यह सम्पत्ति राष्ट्र से मिली है, इसे राष्ट्र को अर्पित करना मेरा धर्म है।'

भामाशाह, पराक्रम के पार्श्वनायक और परमार्थ के पुरोधा थे। वे युद्धभूमि में नहीं लड़े, पर हर युद्ध में उनकी वाणी, उनका समर्पण, उनकी पूंजी लड़ी। वे कवच नहीं धारण करते थे, पर राष्ट्र को आर्थिक कवच प्रदान करते थे। वे मंत्र नहीं पढ़ते थे, पर मेवाड़ के भाग्य का पुनर्मंत्रण उन्हीं के त्याग से संभव हुआ।

उनकी भूमिका बहुआयामी थी। प्रशासक के रूप में वे मेवाड़ के महामंत्री बने। रणनीतिकार के रूप में उन्होंने गुप्तचरी, कर व्यवस्था और सैन्य पुनर्गठन को दिशा दी। संघटक के रूप में उन्होंने सामंतों, व्यापारियों और कृषकों को एकजुट किया।

वे केवल राष्ट्रहित के व्यापारी नहीं थे, वे राष्ट्र-ऋषि थे। भामणिया जोधाजी की संतान भामाशाह ने दिखाया कि जब धन 'धर्म' के साथ जुड़ता है, तो वह दान नहीं, दुर्गा का शस्त्र बन जाता है। उनका धन किला नहीं बना, उन्होंने कोई गढ़ नहीं सजाया, उन्होंने उस धन से रण सजाया और राणा को फिर से रणक्षेत्र का राजा बनाया।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'दत्तं धर्माय यशसे, न तु भोगाय।'इसी प्रकार भामाशाह का दान भी भोग के लिए नहीं, यश और यज्ञ के लिए था। उनकी थाती में केवल मुद्रा नहीं थी, उसमें मर्यादा, ममता और मातृभूमि की मिट्टी मिली थी।

भामाशाह ने न स्वयं के लिए राज्य मांगा, न सम्मान, न यश। उनका सम्पूर्ण जीवन 'राष्ट्र सर्वप्रथम' के विचार का मूर्तिमान प्रमाण था। वे इस यथार्थ को जीते थे कि धन तब तक मूल्यहीन है, जब तक वह धर्म के लिए समर्पित न हो।

महान इतिहासकार जेम्स टॉड लिखते हैं कि 'यदि भामाशाह का सहयोग न होता, तो प्रताप का प्रतिकार अधूरा रह जाता।' कर्नल टॉड उन्हें फाइनेंस जनरल आफ इंडिया लिबेंटी- कहते हैं। डॉ. विश्वंभर नाथ पांडेय के अनुसार 'भामाशाह भारतीय राष्ट्रवाद के पहले 'संपत्ति-समर्पित' योद्धा थे।' गोपीनाथ शर्मा कहते हैं कि 'महाराणा प्रताप की लौह-प्रतिज्ञा को व्यवहार में परिणत करने वाला व्यक्तित्व यदि कोई था, तो वह भामाशाह था।' रवींद्रनाथ टैगोर ने भामाशाह को 'राष्ट्रधर्मी धनदाता' की संज्ञा दी थी।

आज जब व्यापार को लाभ का उपक्रम माना जा रहा है, दानवीर भामाशाह की गाथा बताती है कि लाभ यदि लोभ से जुड़ा हो तो पतन होता है, पर यदि लाभ लोक के लिए हो तो वह राष्ट्र का उत्थान करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे राष्ट्रनायक जब प्रदेश के हर जिले में 'भामाशाह सम्मान' की घोषणा करते हैं, जब वे करदाता व्यापारियों को केवल 'करदाता' नहीं, बल्कि 'राष्ट्र-निर्माता' की उपाधि प्रदान करते हैं, तब यह किसी योजनाबद्ध पुरस्कार प्रणाली का आयोजन भर नहीं होता, यह भारतीय परंपरा में व्यापारी वर्ग के राष्ट्रधर्मी पुनर्स्थापन का शंखनाद होता है।आज जब उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और अर्थ-व्यवस्था की त्रिवेणी पर खड़ा होकर नए भारत का ग्रोथ इंजन बन रहा है, तब भामाशाह जैसे पूज्य पुरुषों की परंपरा पुनः जीवंत हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह स्पष्ट मत है कि 'जो व्यापार में पारदर्शिता लाता है, वह राष्ट्र की नींव को सुदृढ़ करता है। जो कर देता है, वह केवल सरकारी दायित्व नहीं निभाता, वह राष्ट्रधर्म निभाता है।'

आज जब हम राष्ट्र निर्माण की नवीन गाथा लिख रहे हैं, जब उद्योग न केवल उत्पादन का, अपितु उत्तरदायित्व का पर्याय बन रहा है, तब भामाशाह जैसे त्यागी चरित्र न केवल इतिहास की स्मृति हैं, बल्कि राष्ट्र-राज्य की मूल चेतना हैं।

वे भूतकाल के भूषण नहीं, 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के वरणीय विमर्श हैं। नए भारत के भविष्य के प्रारूप हैं। उनका जीवन इस बात का साक्षात प्रमाण है कि जब धन धर्म का दास बनता है और व्यापारी राष्ट्रधर्म का प्रहरी तब व्यापार केवल लाभ का नहीं, लोकमंगल का माध्यम बनता है। तब संपत्ति सिर्फ संग्रह नहीं, सेवा का संकल्प बन जाती है। यही वह 'नवधर्म' है, जिसे आज का नया उत्तर प्रदेश 'आत्मनिर्भर भारत' की आत्मा बना रहा है!

भामाशाह भूतकाल के नायक नहीं, राष्ट्र के स्वाभिमान और समृद्धि की नींव हैं। उस नींव के प्रतीक, जिस पर योगी आदित्यनाथ का नवयुगीन उत्तर प्रदेश राष्ट्र के पुनरुत्थान का दुर्ग गढ़ रहा है। राष्ट्र की समृद्धि के साथ सांस्कृतिक स्मृति की पुनर्रचना, यही है भामाशाह का संदेश और योगी शासन का संकल्प। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पदों में कटौती स्वीकार नहीं-शिक्षक साझा मंच, शिक्षक साझा मंच द्वारा धरना प्रदर्शन व रैली के साथ तहसील कार्यकाल में सौंपा ज्ञापन

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

क्रमोन्नति का जनरल आर्डर जारी करने, पूर्व सेवा अवधि के आधार पर पेंशन एवं 2008 के सेटअप के आधार पर युक्तियुक्तकरण करने की मांग शिक्षक साझा मंच ब्लॉक बम्हनीडीह द्वारा तहसील कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन कर एवं रैली निकालकर क्रमोन्नति, पेंशन, युक्तियुक्तकरण सहित शिक्षक एल.बी. संवर्ग की मांगों के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव, संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के नाम तहसीलदार बम्हनीडीह के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में मांग शामिल है जिसमें माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर, डब्ल्यू ए 261/2023 डबल बेंच के दिनांक 28/02/2024 को पारित निर्णय अनुसार श्रीमती सोना साहू, शिक्षक पंचायत/शिक्षक एल.बी. को पंचायत व शिक्षा विभाग की पूर्व सेवा अवधि की गणना कर एरियर्स सहित क्रमोन्नत वेतनमान भुगतान किया गया है, इसी तर्ज पर, प्रदेश के सभी पात्र शिक्षक एल.बी. संवर्ग के लिए एरियर्स सहित क्रमोन्नत वेतनमान भुगतान हेतु जनरल आर्डर जारी किया जाए।शिक्षक एल.बी. संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन व अन्य लाभ प्रदान किए जाएं। पदोन्नति में बीएड प्रशिक्षण की अनिवार्यता: पदोन्नति में बीएड प्रशिक्षण की अनिवार्यता को शिथिल किया जाए। पूर्व की भांति शिक्षक से व्याख्याता एवं व्याख्याता से प्राचार्य पदोन्नति के लिए बीएड प्रशिक्षण की अनिवार्यता शिथिल कर, डी.एड. प्रशिक्षित शिक्षक संवर्ग को भी पदोन्नति हेतु अवसर प्रदान किया जाए। साथ ही, प्राचार्य के सीधी भर्ती के 10व पदों को विभागीय परीक्षा लेकर तत्काल भरा जाए।

वर्तमान में हुए युक्तियुक्तकरण में व्यापक विसंगतियां हैं, अतः दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। इन व्यापक विसंगतियों को देखते हुए, दिनांक 02/08/2024 को जारी नियम के तहत हुए विद्यालय एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण को तत्काल निरस्त किया जाए। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया सेटअप 2008 के विपरीत है। विद्यालयों में 31/03/2008 में वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत पद के अनुरूप युक्तियुक्तकरण किया जाए। धरना प्रदर्शन को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने भी दिया समर्थन। उक्त धरना प्रदर्शन में शिक्षक साझा मंच ब्लॉक बम्हनीडीह समस्त पदाधिकारी सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल थे।

12 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद शिक्षकों को मिली प्राचार्य पदोन्नति

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने किया मुख्यमंत्री और शासन का आभार व्यक्त

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के शिक्षकों के लिए आज का दिन अत्यंत हर्ष और गौरव का रहा। विगत 12 वर्षों से प्राचार्य पदोन्नति की बाट जोहते शिक्षकों को अंततः वह सुखद समाचार मिला, जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। हाईकोर्ट द्वारा स्टे हटाए जाने के साथ ही प्रदेश भर के शिक्षकों में उल्लास की लहर दौड़ गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष संजय ठाकुर एवं जिलाध्यक्ष टिकेश ठाकुर ने बताया कि वर्ष 2013 के पश्चात राज्य में किसी भी शिक्षक को प्राचार्य के पद पर पदोन्नति नहीं दी गई थी। फलस्वरूप, 90 प्रतिशत से अधिक हाई स्कूल प्राचार्य विहीन हो चुके थे। संस्था प्रमुखों की अनुपस्थिति के कारण न केवल अनुशासन प्रभावित हो रहा था, बल्कि शिक्षण गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। श्री ठाकुर ने बताया कि सैकड़ों शिक्षक जो इस पद के लिए पूर्णतः योग्य एवं पात्र थे, वर्षों तक प्रतीक्षा करते-करते या तो सेवानिवृत्त हो गए अथवा दिवंगत हो गए। वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात शिक्षक संघ ने शीघ्र प्राचार्य पदोन्नति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से गंभीर एवं सारगर्भित चर्चा की थी। मुख्यमंत्री ने इस मांग को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग को आदेश जारी करने निर्देशित किया। इसका प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि 30 अप्रैल 2024 को लगभग 3000 शिक्षकों को प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया गया। हालांकि कुछ शिक्षकों द्वारा न्यायालय में याचिका दायर किए जाने से यह प्रक्रिया अस्थायी रूप से रुक गई थी। शासन द्वारा न्यायालय में ठोस पक्ष रखने के पश्चात स्टे हट गया और वर्षों पुरानी मांग अंततः पूरी हो गई। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव, शिक्षा संचालक एवं शासन का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। साथ ही संघ ने यह भी आग्रह किया है कि प्राचार्य पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए, जिससे लेन-देन और भ्रष्टाचार जैसी आशंकाओं पर रोक लगाई जा सके। संघ ने त्रुटिरहित, निष्पक्ष पदस्थापना प्रक्रिया हेतु शासन को एक ठोस सुझाव भी प्रेषित किया है।

शासन एवं सरकार के कर्मचारी अधिकारी हित में एतिहासिक निर्णय के प्रति छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के समस्त पदाधिकारी एवं शिक्षकों ने आभार व्यक्त किया है।

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने कि सा नो की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

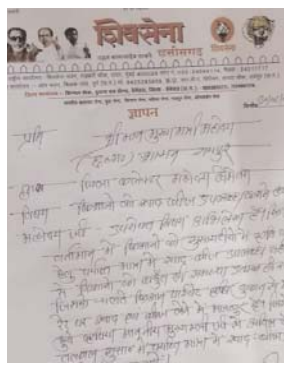

शिवसेना पार्टी के प्रदेश सचिव दाऊ, राम चौहान ने कि सा नो समस्याओं पर चिंतन व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु में किसानों को खाद बीज व कीटनाशक जैसे अन्य खाद्य पदार्थ की आवश्यकता होती है लेकिन उक्त किसानों को सेवा सहकारी सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद बीज व खाद्य सामग्री पदार्थ नहीं मिलने से किसान निराशा जनक है आगे चौहान ने बताया कि किसान अपने कृषि कार्य वर्षा ऋतु में खाद्य एवं बीज को लेकर प्राइवेट कृषि केंद्र से महंगे दामों में मजबूरन खरीदना पड़ रहा है जिसे शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने कि सा नो के इन समस्याओं ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम से जिला कलेक्टर बेमेतरा के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम से पत्र प्रेषित किया गया है आगे चौहान ने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि किसानों को खाद बीज व कीटनाशक एवं अन्य खाद्य पदार्थ सामग्री अति शीघ्र जिला बेमेतरा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय सेवा सहकारी समिति में खाद्य पदार्थ एवं बी ज भंडारण करने की अपील की गई है शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष डॉ आनंद मल्होत्रा के आदेशन अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय में किसान की खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग की गई जिसमें जिला प्रमुख गिरवर रजक, जिला उप प्रमुख रामचरण वर्मा, ईश्वर साहू, जिला महासचिव डोमेन्द्र राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राजपूत, जिला सचिव सुनील सेन, दिलीप रजक, विधानसभा प्रमुख नारायण साहू, ब्लॉक प्रमुख कुलदीप आ डिल, छविराम यादव, दुखित वर्मा, छेदीलाल, रमेश, सनत रा त्रै, वीरू चौहान, दानी यादव, रोहित यादव एवं समस्त शिव सैनिक ने मांग की है।

पंचायत संवाद एवं विकास चर्चा का आयोजन ग्राम पंचायत फूनडरी में संपन्न

फूनडरी /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत फूनडरी में एक महत्वपूर्ण मेल-मुलाकात एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत के विकास कार्यों की समीक्षा के साथ ही ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना को तेज़ी से आगे बढ़ाने हेतु घर-घर जाकर ग्रामीणों को प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत भवन में बहुआयामी विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें शिक्षा, कृषि, युवा सशक्तिकरण और पंचायत के समग्र विकास जैसे विषय प्रमुख रहे। पढ़े-लिखे युवाओं को कैसे आगे लाया जाए और गांव को आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए–इन बिंदुओं पर विशेष मंथन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे:,शिक्षक समिति सदस्य एवं जनपद सदस्य पवन कुमार कर्मा, क्षेत्र की जनपद सदस्य श्रीमती भुमे वेटी, ग्राम सरपंच श्रीमती सुनीला कडती,उपसरपंच दिलीप कुमार भोगमी अन्य गणमान्य उपस्थिति में रहेः इंद्र कुमार, कमलेश मोडियम, भीमसेन कडती, दीपिका सोरी, केसर बघेल, रीता भोगमी, दिनेश ओयमी, मोहन वेटी एवं पंचायत के वार्ड पंचगण। ग्राम पंचायत सचिव श्रीमती सालमा बेगम एवं वरिष्ठ ग्रामीण भैया वासु की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस बैठक में ग्रामीण जनों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। आयोजन का उद्देश्य पंचायत और जनता के बीच समन्वय स्थापित करना एवं विकास कार्यों को धरातल पर लाना रहा।

भानुप्रतापपुर में आयोजित 'आदिवासी अधिकार एवं सशक्तिकरण शिविर 'में शामिल हुई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य तुलिका कर्मा

भानुप्रतापपुर/मूक पत्रिका

तीन दिवसीय इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास भूरिया...*

शिविर में अपने सम्बोधन मे तुलिका कर्मा ने कहा कि इस भाजपा सरकार ने हमसे ग्राम सभा का अधिकार छीन लिया है और हमारी जंगल - जमीन उद्योगपतियों को दे रही है,इसलिए हमें हमारे संविधान को बचाने एकजुट होना पड़ेगा...*

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदिवासी प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास भूरिया,राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम जी,राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव राजेश तिवारी,छत्तीसगढ़ आदिवासी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष जनक ध्रुव ,भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मण्डावी ,युवा कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव कोको पाढ़ी जी,बीरेश ठाकुर जी एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कैट चांपा ने किया नगर के डाक्टर और सी ए का सम्मान

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स की स्थानीय इकाई ने नगर में सेवारत डॉक्टर और चार्टर्ड एकाउंटेंड का उनके निवास में जा कर सम्मान किया कैट के नगर अध्यक्ष राजन गुप्ता ने कहा कि मानव जीवन में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए सलाह और ध्यान रखने योग्य बाते हमें एक डाक्टर से ही प्राप्त होती है जिससे की हम स्वस्थ और निरोगी रह सकते है ठीक इसी तरह एक व्यापारी के लिए उसके व्यापार को स्वस्थ और अच्छे संचालन के लिए एक चार्टर्ड एकाउंटेंड की आवश्यकता होती ही हैं जिसके पास वो जाकर समय समय पर सलाह ले सके,जिससे कि उसके व्यापार को वर्तमान युग की प्रतिस्पर्धा के दौर में उसके व्यापार को जोखिम से दूर रख सके,जिस तरह मानव जीवन के लिए डाक्टर की सलाह की आवश्यकता है ठीक उसी तरह अच्छे ओर सफल व्यापार संचालन के लिए सी ए की आवश्यकता होती है इसी परिपेक्ष में कैट की नगर इकाई के सदस्यों ने डॉ जी. के. नायक, डॉ मनोहर गुलाबानी, डॉ मनीष श्रीवास्तव, डॉ रवि सराफ डॉ वर्षा सराफ सी. ए.मोहनीश चंदानी का उनके निवास में जाकर पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया, पालिकाध्यक्ष प्रदीप नामदेव कैट के मनोज धामेचा, मनोज वीरानी, राम खुबचानी, सुदेश अहीर, पार्षद महेंद्र तिवारी, संतोष जब्बल उपस्थित थे।

कब्र से बाहर निकाला गया धर्मांतरित महिला का शव

कांकेर/मूक पत्रिका

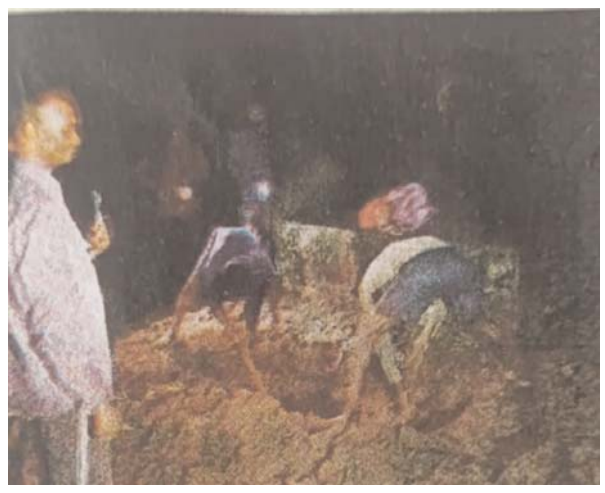

भानुप्रतापपुर के ग्राम कुडाल में धर्मांतरित महिला की मौत के बाद शव को गांव में दफ्नाए जाने से ग्रामीणों ने विरोध किया और स्थानीय प्रशासन से शव को कब्र से बाहर निकालने की मांग की थी। जिसके बाद मृत महिला के परिजनों ने रात में ही शव को कब्र से बाहर निकाला दिया। आपको बता दें कि कल ग्रामीणों ने भानुप्रतापपुर में आकर बताया था कि मृत महिला और उसके परिवार के सदस्यों ने धर्मांतरण कर ईसाई धर्म को अपना लिया था। जब महिला की मौत हुई तो बिना किसी को बताए ईसाई रीति-रिवाज से ही दफ्ना दिया गया था। मिली जानकारी अनुसार ग्राम कुडाल में धर्मांतरित महिला दुखबती दुग्गा की मृत्यु हुई। जिसके बाद उसके पुत्र ईश्वर दुग्गा द्वारा कुड़ाल की सीमा में सोमवार को दफ्नाया गया। गांव के गायता, पटेल, मांझी व गांव वालों को भी नहीं बताया। ग्रामीणों को जानकारी मिली तो धर्मांतरित महिला का शव निकालकर उनके अधिकृत स्थान पर ले जाकर दफ्नाए जाने की मांग को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण भानुप्रतापपुर में पहुंचकर एसडीएम कार्यालय और एसडीओपी कार्यालय तथा थाना में जाकर ज्ञापन सौंपा था। प्रशासन के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही दोनों पक्षों को बुलाकर इस विषय पर चर्चा किया जाएगा। वहीं इस बात की जानकारी मिलने पर मृत महिला के परिजनों ने रात में ही स्वयं से दफ्नाए हुए शव को बाहर निकालकर अन्य स्थान पर ले गए।

चांपा रेल्वे स्टेशन से 10 बालिकाओं को रेस्क्यू किया गया

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को सूचना प्राप्त हुई की जवाहर नवोदय विद्यालय भद्रक उड़ीसा राज्य से नवोदय विद्यालय के बालक/ बालिकाओं का एक ग्रुप माइग्रेशन प्रोग्राम के तहत उड़ीसा से चांपा रेलवे स्टेशन आया था और चांपा रेलवे स्टेशन से उन्हें नवोदय विद्यालय कोरबा तक बस के रास्ते जाना था परंतु कम्युनिकेशन सही नहीं होने के कारण नवोदय विद्यालय भद्रक के पुरुष टीचर के साथ बालको का ग्रुप बस में कोरबा की ओर रवाना हो गया लेकिन महिला टीचर के साथ 25 बालिकाओं का ग्रुप चांपा स्टेशन पर छूट गया था महिला टीचर के द्वारा स्कूल मैनेजमेंट से बात करने पर व्यवस्था नहीं हो पाई जिस पर महिला टीचर के द्वारा जांजगीर के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय को फोन कर समस्या से अवगत कराया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया तथा चांपा थाना प्रभारी को तत्काल बालिकाओं के मदद के लिए भेजा गया जिस पर थाना चाम्पा से एक पुलिस टीम सब इंस्पेक्टर उमेंद्र मिश्रा के हमराह में तत्काल चांपा रेलवे स्टेशन पहुंची और महिला टीचर से संपर्क कर उनकी समस्या को समझ कर तत्काल रेलवे स्टेशन परिसर से दो वेन की व्यवस्था की गई जिस पर महिला टीचर और सभी बालिकाएं बैठकर कोरबा की ओर रवाना हुई भारी बारिश में हुई अव्यवस्था के बीच चाम्पा पुलिस टीम की मदद पाकर महिला टीचर सहित सभी बालिकाएं काफी सुरक्षित और प्रसन्न हुई और उन्होंने पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय की इस सहायता की भूरी भूरी प्रशंसा की ।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा, अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था को लेकर जताई नाराजगी

कलेक्टर ने किया चांपा के बीडीएम अस्पताल, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, हनुमान धारा का निरीक्षण

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते बुधवार को बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सालय (बीडीएम), सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, हनुमान धारा, इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर पालिका चांपा अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, एसडीमए चांपा सुमित बघेल, नगर पालिका सीएमओ भोलाराम सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि मरीजों का बेहतर एवं संवेदनशीलता के साथ इलाज करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ समय पर दिया जाए। कलेक्टर ने अस्पताल के महिला-पुरुष वार्ड, शौचालय, पैथोलॉजी लैब, ओटी, प्रसव कक्ष, दंत कक्ष, नेत्र कक्ष, जनऔषधी केन्द्र, बर्न यूनिट एवं अन्य कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में कबाड़ हो चुके बेड सहित विभिन्न सामानों का निपटान न होने पर नाराजगी व्यक्त की एवं एक माह में निपटान करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में आये मरीजो से उनके स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी लेते हुए डॉक्टरों को बेहतर ईलाज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को देखकर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को स्वच्छ वातावरण मिलना अत्यंत आवश्यक है। यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को भवन में हो रहे सीपेज को तत्काल ठीक करने, टाइल्स लगाने और सभी निर्माण कार्यों का मूल्यांकन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने मेडिकल वेस्ट का उचित निपटान करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने एसडीएम सुमित बघेल को नियमित रूप से अस्पताल निरीक्षण करने कहा। कलेक्टर ने चांपा नगर स्थित हनुमान धारा क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील है और इसे सुनियोजित रूप से विकसित किए जाने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि हनुमान धारा के आसपास चल रहे सभी कार्यों की अद्यतन जानकारी एकत्रित कर और क्षेत्र को विकसित करने के लिए विस्तृत कार्य योजना शीघ्र तैयार करें। उन्होंने स्वच्छता, मनोरंजन, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, सूचना बोर्ड एवं अन्य सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस स्थल को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ उन्होंने हनुमान धारा परिक्षेत्र अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण भी किया।

कलेक्टर ने किया चांपा में एसटीपी निर्माण का अवलोकन दिए समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने नगरीय निकाय चांपा के वार्ड क्र. 13 घोघरा नाला नया फिल्टर प्लांट के पास शासन द्वारा स्वीकृत 5.3 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने एसटीपी कार्य के ठेकेदार को एसटीपी कार्य को निर्धारित समयावधि में उच्चगुणवत्तायुक्त करने निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि शहर के नालों का पानी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से ट्रीट करके ही वापिस नदी में छोड़ा जाएगा। उन्होंने एसडीएम चांपा को कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्लांट के पूर्ण हो होने जाने पर वे स्वयं आकर फंक्शन का टेस्ट एवं वास्तविक स्थिति का जायजा लेंगे।

चावल वितरण की समयावधि 31 जुलाई तक बढ़ी, प्रचार-प्रसार के निर्देश

बेमेतरा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के राशनकार्डधारी परिवारों को माह जून से अगस्त 2025 तक के लिए निर्धारित चावल वितरण की अंतिम तिथि अब 31 जुलाई 2025 तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह समयावधि 30 जून 2025 निर्धारित थी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा राज्य के सभी कलेक्टरों को इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। पत्र में भारत सरकार द्वारा तय समयावधि का उल्लेख करते हुए अनुरोध किया है कि प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान में प्रदर्शित किया जाए। साथ ही, स्थानीय प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से इस निर्णय की व्यापक जानकारी राशनकार्डधारियों तक पहुंचाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

नवनिर्मित बहुउद्देशीय केंद्र आमाडोब का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने पीएम जनमन योजना के तहत बैगा परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से आमाडोब में नवनिर्मित बहुउद्देशीय केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस केंद्र के माध्यम से बैगा परिवारों को रोजगार-स्वरोजगार के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों से अवगत कराते हुए उन्हें लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने बहुउद्देशीय केंद्र में बने हॉल, कमरे, किचन, स्टोर रूम आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, एसडीएम ऋचा चंद्राकर, सीएमएचओ डॉ. रामेश्वर शर्मा, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अमित सिन्हा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास गोपेश मनहर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा में प्रवेश का सुनहरा अवसर

मूक पत्रिका/बेमेतरा- छत्तीसगढ़ शासन एवं दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम चोरभट्टी स्थित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संचालित द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अब गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। इस निर्णय से जिले के उन विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का विकल्प मिलेगा, जिन्हें गणित या बायोलॉजी विषय के साथ 12वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् रोजगारोन्मुखी कोर्स उपलब्ध नहीं हो पाते थे। प्रवेश प्रक्रिया 12वीं के अंकों के मेरिट के आधार पर की जा रही है। डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय चोरभट्टी में गत् चार वर्षों से संचालित यह पाठ्यक्रम प्रदेश एवं देश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिए दक्ष युवा तैयार करने हेतु तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करता है। यहां से डिप्लोमा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी डेयरी संस्थाओं में रोजगार एवं स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त होता है और प्रदेश की डेयरी संस्थाओं की अन्य राज्यों पर निर्भरता भी कम होती है। इस समय महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए डेयरी सेक्टर में भविष्य संवारने का यह उत्तम अवसर है। प्रवेश प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी हेतु इच्छुक विद्यार्थी चोरभट्टी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संपर्क कर सकते हैं या निम्न मोबाइल नंबरों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, 8964844803, 9340291259, 7000231858, 7000240762, 9098360150।

जिले में सड़क एवं सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बच्चों का किया गया सर्वेक्षण

सूरजपुर। छ.ग. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, रायपुर के निर्देश पर जिले में सड़क एंव सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। जिला कलेक्टर एस.जयवर्धन के आदेश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में इस प्रकार के बच्चों का सर्वेक्षण सूरजपुर के सभी 8 हॉटस्पॉट सहित अन्य विभिन्न स्थानों में चिन्हांकन एवं रेस्क्यू हेतु अभियान चलाया गया । उक्त संयुक्त टीम के द्वारा किराना दुकान, होटल, गैरेज, ईंट भट्टा एवं कारखानों में निरीक्षण किया गया। जिसमें भिक्षावृत्ति में संलिप्त, बाल श्रम में लगे, घुमन्तु बच्चे, स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों की पूछताछ की गई उपरोक्त सर्वेक्षण में सूरजपुर विश्रामपुर, प्रेमनगर, रामानुजनगर, भैयाथान, भटगांव, जरही स्थानों का सर्वेक्षण किया गया। कार्यक्रम 12 जून से 30 जून तक सर्वेक्षण किया गया, सर्वेक्षण कार्य महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, पुलिस विभाग, चाईल्ड लाईन सम्मिलित है।

किसानों को दी जा रही सुविधाओं का लिया जायजा, जैविक खेती को अपनाने हेतु किया प्रोत्साहित

जिला पंचायत सीईओ ने किया जैविक खेती, बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर एवं बीज वितरण केंद्रों का निरीक्षण

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने बीते बुधवार को जिले में संचालित बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर एवं बीज भंडारण एवं वितरण केंद्र तथा जैविक खेती करने वाले किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जैविक खेती को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज एवं जैविक आदान सामग्री सुलभ कराने संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस क्रम में सीईओ नाहटा ने जैविक आदान सामग्री केंद्र में जीवामृत, हंडी दवा, जैविक उर्वरक आदि की भंडारण एवं वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जैविक आदान सामग्रियों का अधिक से अधिक किसानों तक वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वितरण प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी एवं उसका नियमित रिकॉर्ड रखा जाए ताकि किसानों को जैविक खेती की तकनीकी जानकारी व प्रशिक्षण दिया जाए। इससे वे वैज्ञानिक तरीके से खेती कर सकेंगे।

इसके अलावा उन्होंने बीज भंडारण केंद्र में किसानों से सीधे संवाद कर बीज वितरण प्रक्रिया और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से शून्य ब्याज दर पर नकद व वस्तु ऋण की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों को इस योजना का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया तथा शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए जागरूकता बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान सीईओ नाहटा ग्राम कुम्हाररास पहुँचे, जहाँ उन्होंने जैविक विधि से धान की खेती कर रहे किसान जोगा राम कश्यप के खेत का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कतार रोपण, जीवामृत और हंडी दवा के उपयोग जैसी जैविक विधियों की जानकारी ली और किसानों के अनुभवों को जाना। उन्होंने किसानों को बताया कि जैविक खेती अपनाकर न केवल खेती की लागत को कम किया जा सकता है, बल्कि उत्पादन में भी वृद्धि की जा सकती है। साथ ही इससे स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। सीईओ द्वारा कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिया गया कि वे किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। इस निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग के उप संचालक सूरज पंसारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

डीएमएफशासी परिषद की बैठक में 100 करोड़ से अधिक की वार्षिक कार्य-योजना का अनुमोदन

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में 100 करोड़ रूपए से ज्यादा राशि की वित्तीय वर्ष 2025-26 की नवीन वार्षिक कार्य-योजना का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद श्री तोखन साहू सहित विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी सहित शासी परिषद के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बिलासपुर सहित संपूर्ण जिले के विकास के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर अनुमोदन दिया गया। जिसमें प्रमुख रूप से बिलासपुर में एजुकेशन हब के लिए 15 करोड़ रूपए, गोकने नाला पर पुल निर्माण के लिए 3.29 करोड़, सभी जोन एरिया में वेन्डिंग जोन सहित आंगनबाड़ी भवन के लिए 3.50 करोड़, पंचायत के लिए 3 करोड़, दिव्यांग जनों के कौशल विकास एवं अन्य कार्यों के लिए 3 करोड़, हेल्थ सेक्टर के लिए 20 करोड़, पेयजल मद के लिए 4 करोड़ एवं पर्यटन विकास के लिए 5 करोड़ प्रमुख रूप से शामिल हैं। डीएमएफ के अंतर्गत आमतौर पर वे कार्य लिए जाते हैं, जो शासन की कोई योजना अथवा कार्यक्रम में प्रमुखता से कवर नहीं हुए होते हैं। बैठक में शासी परिषद से अनुमोदन की प्रत्याशा में पूर्व में स्वीकृत लगभग डेढ़ करोड़ के 7 कार्यों का अनुमोदन किया गया।

जन्मदिन पर इंसानियत की मिसाल और हरियाली का संदेश

मूक पत्रिका/ बेमेतरा। बीते बुधवार को जिला ब्लड बैंक प्रभारी विजय डोरे ने अपने जन्मदिन को एक प्रेरणास्पद और सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए मानवता की मिसाल पेश की। विजय डोरे ने जिला अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिला श्रीमती दुर्गा मीरझा (ब्लड ग्रुप ह्न पॉजिटिव) को रक्तदान कर उनकी जीवन रक्षा में अहम योगदान दिया।

इस पुनीत कार्य के साथ-साथ उन्होंने अपने जन्मदिन को और भी खास बनाते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिला अस्पताल ब्लड बैंक के पीछे स्थित खाली मैदान में दो छायादार वृक्ष ङ्क कदम और अशोक ङ्क का वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर ब्लड बैंक के समस्त स्टाफ भूपेंद्र कुर्रे, कुलेश्वरी साहू, हरीश शंकर गेन्ड्रे, धन्नू वर्मा, भगवान वर्मा, कमल दास माणिकपुरी ङ्क की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और एक सामूहिक संकल्प लिया कि रक्तदान और वृक्षारोपण जैसे कार्यों को सामाजिक पर्व के रूप में अपनाया जाएगा। इस मानव सेवा और हरियाली के योगदान के लिए विजय डोरे को समस्त स्टाफ और जिलेवासियों की ओर से शुभकामनाएं व बधाई दी गई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत स्कूल चलो अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों में एल.ई.डी. डिस्प्ले के माध्यम से जागरूकता अभियान

मूक पत्रिका/ बेमेतरा। 19 जून 2025 से 16 जुलाई 2025 तक जिला बेमेतरा के विभिन्न स्कूलों में महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा भारत सरकार की कार्य योजना अंतर्गत 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत् योजना अंतर्गत जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा, चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास बेमेतरा के निर्देशानुसार एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में स्कूल चलो अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों में एल.ई.डी डिस्प्ले में विडियों के माध्यय से बच्चों को स्कूल चलो अभियान, पॉक्सो एक्ट एवं गुड टच बैड टच, चाइल्ड हेल्पलाईन 1098, सखी वन स्टॉफ 181, बाल विवाह रोकथाम, साइबर काइम के बारे में वीडियों के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। वीडियों दिखा कर बच्चों से प्रश्न किया जाता है, उत्तर दिये जाने वाले बच्चे को पेन/कलर पेंसिल गिफ्ट के रूप में दिये जा रहे है तथा अन्य सभी बच्चों को बिस्किट / चॉकलेट का वितरण किया जाता है।

ग्यारवीं / बारहवीं की किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, आत्मविश्वास बनाये रखने, मासिक धर्म के बारे में खुलकर बात करना, एवं अन्य माहवारी स्वच्छता की जानकारी देते हुए बच्चों को सेनेटरी पैड एवं माहवारी स्वच्छता बुक (संगिनी दीदी के गोठ) का वितरण किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम एवं शिक्षको की उपस्थित में जानकारी दिया जा रहा है।

सियान चेतना अभियान का भव्य आयोजन,वरिष्ठ नागरिकों में जगी नई चेतना

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह द्वारा चलाए जा रहे बहुआयामी चेतना अभियान के अंतर्गत आज हैप्पी स्ट्रीट में सियान चेतना अभियान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान एवं सामाजिक सहभागिता को समर्पित था, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने भागीदारी निभाई इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिलासपुर यातायात ,स्क श्री राम गोपाल करियारे, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. ओम माखीजा तथा सहायक संभागीय संचालक (शिक्षा विभाग) श्री प्रशांत राय उपस्थित रहे। मंच संचालन की जिम्मेदारी हमारे प्रेरणास्रोत श्री उमाशंकर पाण्डेय ने कुशलता से निभाई।

कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा: सिटी कोतवाली ङ्क श्री विवेक पाण्डेय, आधारशिला स्कूल, ड्रीमलैंड स्कूल, ह्रस्व बिलासपुर, ट्रेसल महेन्द्र सूर्यवंशी और उनकी टीम, विकास वर्मा, रेखा मदन गुल्ला, मदन गुल्ला, अंचल पाण्डेय, अपूर्वा तिवारी, अर्जुन राठौर, गौरी शंकर गुप्ता, कृष्ण कुमार दुबे, नीलेश मसीह, गणेश सोनवानी, श्रीमती कमला देवांगन, पूर्णिमा पिल्ले, और मुरली गुरुजी जिन्होंने अपनी तीन पीढ़ियों के साथ उपस्थिति दर्ज की। खुशी देवांगन का सहयोग भी सराहनीय रहा।

कार्यक्रम की झलकियाँ: आधारशिला स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ सबका मन मोह लिया। श्री उमाशंकर पाण्डेय ने बच्चों से यातायात नियमों पर रोचक प्रश्न पूछे, सही उत्तर देने वालों और कविता, भाषण एवं नृत्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मंच पर पुरस्कृत किया गया।

विशेष आभार: बिलासपुर पुलिस कप्तान श्री रजनेश सिंह जिनकी दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता से यह चेतना अभियान जन-जन तक पहुंच रहा है। एएसपी श्रीमती अर्चना झा, एएसपी श्री राजेंद्र जायसवाल, एएसपीश्री अनुज, डीएसपी श्रीमती रश्मि कौर तथा सिटी कोतवाली टीआई श्री विवेक पाण्डेय जिनका सतत मार्गदर्शन एवं सहयोग कार्यक्रम की सफलता में अहम रहा।

बेमेतरा पुलिस आम नागरिकों से अपील करता है कि यातायात नियमों का पालन करें

माईनर एक्ट के तहत 08 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

आम जगह पर शराब सेवन करने वाला 01 आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही

मूक पत्रिका/बेमेतरा :- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

जिसके तहत 01 जुलाई 2025 को चौकी देवरबीजा 09 चालान में 09 व्यक्ति, यातायात बेमेतरा 13 चालान में 13 व्यक्ति, कुल 22 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीट बेल्ट, तेज गति एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 22 प्रकरण में 7,200/- रूपये समन शुल्क लिया गया।

बेमेतरा पुलिस की अपील- बेमेतरा पुलिस आम नागरिको से अपील करता है कि यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, संयमित गति से वाहन चलाये, शराब सेवन कर वाहन न चलाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोंग न करें। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में 01 जुलाई 2025 को माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए थाना खम्हरिया 01 प्रकरण में 04 व्यक्ति, थाना परपोडी 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति, चौकी मारो 01 प्रकरण में 01 व्यक्ति, चौकी खण्डसरा 01 प्रकरण में 01 व्यक्ति के खिलाफधारा 170, 126, 135 (3) बीएनएसएस के तहत 05 प्रकरण में 08 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

इसी क्रम में 01 जुलाई 2025 को थाना परपोडी में आम जगह पर शराब सेवन करने का 01 प्रकरण में 01 आरोपी परयादी राम साहू उम्र 60 वर्ष, निवासी कमकावाडा, थाना परपोडी जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 36 (च) आबकारी एक्ट के तहत कार्यावाही की गई हैं।

विंबलडन 2025:

विंबलडन के पहले दौर में उलटफेर का शिकार हुए मेदवेदेव, बेंजामिन बोंजी ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और

फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरुआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस के यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गए था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

2017 में भी लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे

मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गए थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे। उस समय दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को पहले दौर में क्वालिफायर थियागो सेबॉथ वाइल्ड ने हराया था। वाइल्ड की उस समय विश्व रैंकिंग 172 थी।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की

आर्चर टीम में नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे। दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुदलीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11 - जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूं: नीरज चोपड़ा

बेंगलुरू, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे। हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा। बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया।

चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया – मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा। इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी। 27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते

थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा। चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर हेलीकॉप्टर शॉट शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है।

खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं शांत रहने, अच्छा खाना खाने और अच्छी तरह आराम करने की कोशिश करता हूं। भाला फेंकने वाले इस दिग्गज ने मैदान पर और मैदान के बाहर मिली सबसे अच्छी सलाह साझा करते हुए कहा, यह सलाह मेरे कोच जान जेलेजनी से मिली, जिन्होंने 98.48 मीटर की दूरी से भाला फेंकने में विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। जब भी मैं भाला फेंकता हूं, मैं बहुत ऊर्जावान रहता हूं, लेकिन वह मुझसे कहते हैं कि मुझे प्रवाह में दौड़ना चाहिए।

कैप्टन कूल नाम पर होगा धोनी का फुल कंट्रोल, कोई नहीं कर सकेगा इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जोकि कैप्टन कूल के नाम से भी जाने जाते हैं, अब इस नाम को ट्रेडमार्क करने जा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने आवेदन भी कर दिया है। रिकॉर्ड के अनुसार धोनी ने 5 जून 2023 को आवेदन किया था। ट्रेडमार्क की स्थिति अब स्वीकृत और विज्ञापित दिखाती है, जो दर्शाता है कि यह प्रारंभिक जांच से गुजर चुका है और अब अंतिम पंजीकरण से पहले विरोध के लिए खुला है। कैप्टन कूल शब्द लंबे समय से धोनी से जुड़ा हुआ है, क्योंकि महत्वपूर्ण क्रिकेट क्षणों के दौरान दबाव में उनका शांत व्यवहार रहा है। प्रस्तावित ट्रेडमार्क खेल प्रशिक्षण, खेल प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना, खेल कोचिंग सेवाओं की श्रेणी के तहत पंजीकृत है। दिलचस्प बात यह है कि एक अन्य इकाई प्रभा स्किल स्पोर्ट्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड - ने पहले जुलाई 2021 में क्लास 41 के तहत इसी शब्द के लिए आवेदन किया था। हालांकि उस आवेदन को वर्तमान में सुधार दायर की स्थिति के साथ चिह्नित किया गया है, संभवतः किसी संघर्ष या विरोध के कारण धोनी के दावे का रास्ता खुल गया है।

क्लब विश्व कप:

मैनचेस्टर सिटी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अल हिलाल

ऑरलैंडो (अमेरिका), एजेंसी। मार्कोस लियोनार्डो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल हिलाल को मैनचेस्टर सिटी पर 4-3 से जीत दिलाई। इसी के साथ टीम ने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बर्नार्डो सिल्वा ने नौवें मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार कोशिशें कीं, लेकिन कोई और गोल इस हाफ में नहीं आया। दूसरे हाफ में मार्कोस लियोनार्डो (46) और मैल्कम (52) ने गोल दागकर अल-हिलाल को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही एरलिंग हैलैंड (55) ने गोल दागकर जल्दी ही मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर ला दिया। अल-हिलाल ने अतिरिक्त समय में कलिडौ कौलीबाली (94) की मदद से फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन फिल फोडेन के 100वें सिटी गोल ने सिटी को बराबरी पर ला दिया। लियोनार्डो अल-हिलाल के लिए मैच विजेता साबित हुए। लियोनार्डो ने 112वें मिनट में गोल दागकर अल-हिलाल को 4-3 से आगे कर दिया। मैच के बाद कलिडौ कौलीबाली ने कहा, हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे। मुझे लगता है कि हमने बहुत

अच्छा खेल खेला। रक्षात्मक रूप से हम बहुत मजबूत थे। आक्रामक रूप से हमने सभी मौकों का फायदा उठाया, इसलिए हम खुश हो सकते हैं। अल हिलाल अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस एफसी से भिड़ेगा। यह मुकाबला ऑरलैंडो के कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला जाएगा।

फ्लुमिनेंस एफसी की टीम इंटर के खिलाफ 2-0 से मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबलों को देखें, तो पाल्मेरास की चेल्सी से भिड़ंत होगी, जबकि पीएसजी की टीम बेयर्न के खिलाफ सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। सेमीफाइनल मुकाबले नौ और दस जुलाई को खेले जाने हैं। खिताबी मैच 14 जुलाई को होगा।

बुमराह OUT, कुलदीप IN... दूसरे टेस्ट में होंगे ये बड़े बदलाव, इस रणनीति के साथ उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ का दूसरा मुकाबला बुधवार, 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा. इससे पहले मंगलवार को भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने टीम इंडिया की संभावित रणनीति और बदलावों को लेकर अहम जानकारी दी. रयान टेन डोशेट ने साफ कहा कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव होंगे. टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है.

बुमराह को आराम, लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी संभव - रयान टेन डोशेट ने बताया कि भारत के स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जा रहा है. वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें यह ब्रेक दिया गया है और वह तीसरे टेस्ट (लॉर्ड्स में) वापसी के लिए उपलब्ध रहेंगे.बुमराह ने पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन लगातार क्रिकेट को देखते हुए उन्हें ब्रेक देना ज़रूरी समझा गया ।

● **जायसवाल स्लिप फील्डिंग से बाहर, लगातार कैच ड्रॉप्स पड़े भारी** - पहले टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जैसवाल ने चार कैच छोड़े थे, जिससे इंग्लैंड को बड़े रन बनाने में मदद मिली. अब टीम मैनेजमेंट ने फैसला किया है कि जायसवाल को स्लिप कॉर्डन से हटा दिया गया है और उन्हें फिलहाल आउटफील्ड में लगाया जाएगा. जायसवाल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक ज़रूर लगाया था, लेकिन फिल्डिंग में उनकी गलती टीम पर भारी पड़ी ।

● **शार्दुल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी की एंट्री तय** - पिछले मैच में शार्दुल ठाकुर गेंद और बल्ले दोनों से खास प्रभाव नहीं डाल सके. अब उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा रहा है और उनकी जगह आंध्र प्रदेश के युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल किया जा सकता है. वहीं, बर्मिंघम की पिच पर इस बार गर्म मौसम और सूखी सतह को देखते हुए भारत दो स्पिन गेंदबाज़ों को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकता है. रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर- इन तीनों में से दो को मौका मिलने की संभावना है. पहले टेस्ट में रवींद्र जडेजा को अकेले स्पिनर के रूप में खिलाया गया था, लेकिन अब बदलाव की तैयारी है. रायन टेन डोशाटे ने कुलदीप यादव की नेट बॉलिंग की तारीफ की और कहा कि वो शानदार लय में हैं और विकेट लेने की भूख के साथ मैदान पर उतरने को तैयार हैं. भारत को पहले टेस्ट में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था. अब टीम दूसरे टेस्ट में वापसी करना चाहेगी ।

वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025:

इंग्लैंड का क्लीन स्वीप, मार्क गुडलिफ बने पहले विश्व विजेता

लंदन, एजेंसी। लंदन के प्रतिष्ठित नेहरू सेंटर में आयोजित पहले वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप में शब्दों की चतुराई और मानसिक तीव्रता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां टीम इंग्लैंड ने शीर्ष तीनों स्थानों पर कब्जा करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 13 बार टाइम्स क्रॉसवर्ड चैंपियनशिप जीत चुके मार्क गुडलिफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ङ्ख्ष्टष्ट 2025 विश्व कप विजेता का खिताब अपने नाम किया। कॉलिन थॉमस को प्रथम उपविजेता घोषित किया गया, जबकि जॉन हेंडरसन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर इंग्लैंड की प्रभुत्वता को और मजबूत किया। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित हुई। प्रारंभिक चरण (ऑफ़-स्टेज) में सभी प्रतिभागियों को 60 मिनट के भीतर दो कठिन क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड हल करने थे, जिसमें सटीकता और समय दोनों को मापदंड माना गया। फाइनल राउंड (ऑन-स्टेज)में शीर्ष 6 प्रतियोगियों ने बिना किसी संकेतित अक्षर के दो ग्रिड्स कोल्ड सॉल्व किये, वह भी मंच पर लाइव क्विज़ प्रारूप में। दोनों चरणों के सम्मिलित स्कोर के आधार पर अंतिम रैंकिंग तय की गई।

हॉकी

यूरोप दौरे पर इंडिया-ए की कमान संभालेंगे संजय

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यूरोप के आगामी दौरे के लिए इंडिया-ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 8 से 20 जुलाई तक चलेगा। भारत के इस यूरोप दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले जाएंगे, जिसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है। इंडिया-ए टीम आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि उसे इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलना है। 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रभावित किया है। इंडिया-ए टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह उप-कप्तान होंगे। भारत की टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार और डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्डर्स में पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं, जबकि फॉरवर्ड लाइन-अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह हैं। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की लिस्ट में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको शामिल हैं। यूरोप के दौरे पर टीम को शिवेंद्र सिंह ट्रेनिंग देंगे, जो पुरुष टीम के असिस्टेंट कोच भी हैं। शिवेंद्र सिंह बेहद अनुभवी हैं। वह आक्रामक खेल पर खासा ध्यान देते हैं। यह दौरा हॉकी इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय हॉकी सितारों की अगली पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका देना है।

यूरोप दौरे के लिए भारत-ए की टीम:

गोलकीपर: पवन, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार।
डिफेंडर: प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, संजय (कप्तान) और प्रमोद।
मिडफील्डर: पूवन्ना चंदूरा बॉबीमोहम्मद राहील मौसीन, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह (उप-कप्तान), विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह।
फॉरवर्ड: अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह।
स्टैंडबाय: अंकित मलिक (गोलकीपर), सुनील जोजो (डिफेंडर) और सुदीप चिरमाको (फॉरवर्ड)।

फोन डेड, ड्यूटी ऑन, अटेंडर का पता नहीं, कुछ ऐसा है कांकेर सर्किट हॉउस

कांकेर सर्किट हाउस में फोन अटेंडर की नियुक्ति बनी मज़ाक, सालों से डेड फोन

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस इन दिनों एक अनोखे 'सरकारी कारनामे' को लेकर सुर्खियों में है। यहां लोक निर्माण विभाग (क्क्ष्ष्ठ) द्वारा एक फोन अटेंडर की नियुक्ति तो कर दी गई, लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिस फोन को अटेंड करने के लिए कर्मचारी नियुक्त किया गया है, वह फोन सालों से डेड पड़ा है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि उक्त फोन अटेंडर न केवल ड्यूटी से अक्सर नदारद रहते हैं, बल्कि उनकी स्थायी गैरमौजूदगी को लेकर सर्किट हाउस में पदस्थ रसोईया व सफाईकर्मी भी असमंजस में रहते हैं।

ड्यूटी नाम की औपचारिकता-सर्किट हाउस में पदस्थ रसोई और सफाईकर्मियों के अनुसार, फोन अटेंडर अधिकारी महज कुछ क्षणों के लिए ही सर्किट हाउस में देवदूत की तरह दिखाई देते हैं, उसके बाद वे कहा रहते है उसकी उन्हें कोई जानकरी नहीं रहती। खास बात ये है कि इसी कर्मचारी के जिम्मे आगंतुक पंजी में एंट्री करना, आगंतुक शुल्क संग्रह करना और कार्यालयीन फोन अटेंड करना है-लेकिन फोन सालों से बंद है, और पंजी में कई वर्षों के शुल्क का कोई हिसाब नहीं। प्राप्त वर्ष 2023, 2024 और 2025 के आगंतुक पंजी के रिकॉर्ड में कई पन्नों पर शुल्क की प्रविष्टियां गायब हैं। इससे ये संदेह और गहरा जाता है कि आगंतुकों से वसूला गया वो पैसा कहां गया और किसने इसका लाभउठाया? जानकारों की मानें तो यह कर्मचारी पहले भी विवादों में रह चुका है। तत्कालीन कलेक्टर अलरमेल मंगई डी ने इसके व्यवहार को देखते हुए इसे पंखाजूर स्थानांतरित कर दिया था। पर कुछ समय पश्चात ÷सिस्टम÷ का उपयोग कर यह पुनः कांकेर क्क्ष्ष्ठ में पदस्थ हो गया। अब एक बार फिर ड्यूटी से लापरवाही और जवाबदेही से बचते रहने का उसका रवैया उजागर हो रहा है।ड्यूटी से ज्यादा ÷व्यक्तिगत दुकानदारी÷ में रुचि...? सूत्रों के अनुसार, फोन अटेंडर महोदय अक्सर चारामा क्षेत्र में निजी दुकानदारी में व्यस्त रहते हैं और कार्यस्थल पर उपस्थिति केवल औपचारिकता बन कर रह गई है। जैसे ही किसी बड़े अधिकारी या मंत्री के आगमन की सूचना मिलती है, उनकी कर्तव्यनिष्ठा जाग जाती है और वे सर्किट हाउस में सक्रिय दिखने लगते हैं। फोन अटेंडर की केवल लापरवाही ही उजागर नहीं हो रही है, बल्कि फोन अटेंडर के व्यवहार को लेकर भी निचले स्तर के कर्मचारियों में नाराजगी है। एक कर्मचारी ने एक मज़ेदार लेकिन कड़वा किस्सा सुनाया कि हाल ही में कांकेर जिला प्रभारी सचिव के लिए सर्किट हाउस में चिकन सब्जी बनाई गई थी। लेकिन सचिव महोदया ने केवल शाकाहारी भोजन किया और चिकन व्यंजन अधूरा रह गया। कुछ कर्मचारियों ने बचे हुए चिकन के टुकड़ों का स्वाद ले लिया, जिससे फोन अटेंडर साहब भड़क उठे और पूरी रसोई पर आग बबूला हो गए और कहने लगे कि ÷ वो चिकन मैं घर ले जाने वाला था, तुम लोगों ने कैसे हाथ क्यों लगाया? जब लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता के.के. सरल (मो. नं. 84353-80534) से इस मामले पर प्रतिक्रिया लेनी चाही, तो उन्होंने कॉल रिसीव करना भी जरूरी नहीं समझा। अब ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि क्या विभाग अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेगा? या यह मामला भी सरकारी ÷चलता है÷ रवैये की भेंट चढ़ जाएगा?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा

7 जुलाई को राजधानी में कांग्रेस की किसान, जवान, संविधान सभा

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि 7 जुलाई को कांग्रेस के द्वारा ÷किसान, जवान, संविधान÷ सभा का आयोजन राजधानी के साईस कालेज मैदान में किया गया है। इस सभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महामंत्री वेणुगोपाल संबोधित करेंगे। इस सभा का उद्देश्य छत्तीसगढ़ सहित देश भर में किसानों, जवानों की आवाज उठाना साथ ही केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा जिस प्रकार से संविधान और संवैधानिक संस्थानों की स्वायत्तता पर प्रहार किया जा रहा है, उसको जनता तक ले जाना है। इस सभा में 25000 से अधिक लोग प्रदेश भर से शामिल होंगे। भाजपा नहीं चाहती किसान धान पैदा करे ताकि 3100 रू. में खरीदना न पड़े-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि खरीफकी फसल में दलहन, तिलहन की फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय किसानों से नया धोखा है। छत्तीसगढ़ के जलवायु के अनुसार धान की फसल लेना खरीफमें किसानों के लिये सबसे ज्यादा फायदे की खेती है। साय सरकार खरीफ के फसल के लिये बीज, खाद उपलब्ध नही करवा पा रही तो प्रोत्साहन योजना के तहत प्रलोभन दिया जार रहा ताकि किसान धान की फसल नही ले और सरकार को 3100 में धान नही खरीदना पड़े। पूरे प्रदेश में किसान बुवाई की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं, लेकिन प्रदेश में खाद और बीज की समुचित व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई है। प्रदेश के ज्यादातर सोसाइटी में किसानों को डीएपी की कमी से जूझना पड़ रहा है, ज्यादातर स्थानों पर बोनी और थरहा के लिए बीज भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते किसान परेशान हैं। मुख्यमंत्री खाद की उपलब्धता की समीक्षा करते है लेकिन यह मीडिया तक ही सीमित है, आज भी 90 प्रतिशत सोसायटी में डीएपी नहीं मिल रही।

सरकार चिकित्सा छात्रों के लिये हास्टल बनाये-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बेहद ही दुर्भाग्यजनक है कि सरकार की लापरवाही का खामियाजा चिकित्सा छात्रों की भुगतना पड़ रहा है। हास्टल की कमी के कारण चिकित्सा छात्र परेशान है। उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। कांग्रेस की सरकार ने हास्टल बनाने के लिये 24 करोड़ की राशि स्वीकृत किया था, उसका टेंडर भी किया था, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद दो साल से काम रूका पड़ा है। सरकार की हठधार्मिता के कारण स्कूलो की पढ़ाई चौपट-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की हठधार्मिता के कारण स्कूलो की पढाई चौपट हो गयी है। युक्तीयुक्तकरण के कारण सरकार ने बड़ी संख्या में शिक्षको का ट्रांसफर तो कर दिया है, लेकिन प्रदेश के हजारो स्कूल ऐसे है, जहां पर अभी तक शिक्षक नहीं पहुंच पाये। एक शिक्षक पांच कक्षाये ले रहे। 10463 स्कूल बंद होने के कारण अनेको स्थान पर बच्चो को अपने घर से तीन से पांच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जना पड़ रहा।

गुरु खुशवंत साहेब की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ मॉक

पार्लियामेंट लोकतंत्र के संरक्षण हेतु युवाओं की जागरूकता प्रेरणादायी

रायपुर /मूक पत्रिका

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज आपातकाल (1975) की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ द्वारा राजधानी रायपुर स्थित अग्रसेन धाम में प्रदेश स्तरीय मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इस विचारोत्तेजक कार्यक्रम में प्रदेश के यशस्वी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ सरकार के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा जी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल , भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, महापौर एवं प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी आलोक डंगस सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व संगठन पदाधिकारी अपने गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवांवित किए। इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब (विधायक - आरंग विधानसभा एवं उपाध्यक्ष - अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) ने विशेष रूप से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए युवाओं के बीच लोकतंत्र के मूल्यों पर हो रही गंभीर बहस को सश्रद्ध भाव से सुना और युवाओं के विचारों की मुक्त कंठ से सराहना की। गुरु खुशवंत साहेब ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा– युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहा है, जिसमें युवाओं की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए इतिहास से सीखना आवश्यक है, और इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सजग नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मॉक पार्लियामेंट में युवाओं ने आपातकाल के पक्ष-विपक्ष में प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संविधान की रक्षा जैसे विषयों पर हुए चर्चाओं ने प्रदेश की राजनीतिक चेतना को नई दिशा प्रदान की।भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, महामंत्री उपकार चंद्राकर, अंकित जायसवाल एवं युवा मोर्चा के पूरे टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।इस आयोजन में भाजपा एवं भाजयुमो के प्रदेश, संभाग एवं जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, छात्र संगठन प्रतिनिधि, शिक्षाविद, मीडिया प्रतिनिधि तथा सैकड़ों की संख्या में उत्साही युवा साथी उपस्थित रहे।

NGT के आदेशों की खुली अवहेलना: प्रशासन द्वारा जप्त रेत को माफिया खुलेआम बेच रहे, स्टिंग ऑपरेशन में सामने आया बड़ा खुलासा

बस्तर/मूक पत्रिका

जहां एक ओर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) अवैध खनन रोकने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी करता है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में प्रशासनिक लापरवाही और माफियाओं की मिलीभगत ने इन आदेशों की धज्जियां उड़ा दी हैं। दिनांक 21 अप्रैल 2025 को कोहकापाल लिटिगुड़ा पारा इलाके में खनिज निरीक्षक मृदुल गुहा ने अवैध रूप से डंप की गई भारी मात्रा में रेत पकड़ी थी। मौके पर नोटिस जारी कर रेत को जप्त कर लिया गया और संबंधित रेत माफियाओं पर चालान और फाइन की कार्रवाई भी हुई थी। लेकिन यह सख्ती केवल कागजों तक ही सीमित रह गई!

स्टिंग ऑपरेशन में बड़ा खुलासा — जप्त रेत चोरी-छिपे नहीं, खुलेआम बिक रही. हमारे स्टिंग ऑपरेशन में यह साफ हुआ कि आज 2 जुलाई 2025 को ही हाइवा वाहन छ्त्र 17 च 6190 कोहकापाल से अवैध रूप से रेत लोड कर जगदलपुर के नामी बिल्डरों तक पहुंचा रहा है। सबसे बड़ा खुलासा यह है कि इस पूरे परिवहन का वीडियो फुटेज भी उपलब्ध है, जिसमें साफ दिख रहा है कि बिना फाइन-चालान का भुगतान किए जप्त रेत को खुलेआम बेचा जा रहा है। हाइवा वाहन पर दर्ज मोबाइल नंबर 7000397974 श्याम गुरु नामक व्यक्ति का बताया गया है, जो रेत माफिया नेटवर्क में सक्रिय है।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल- जब खनिज विभाग ने रेत जप्त की थी तो संबंधित क्षेत्र को सील क्यों नहीं किया गया जप्त रेत की सही मात्रा, चालान और फाइन की डिटेल सार्वजनिक क्यों नहीं की गई जप्त रेत की राउंड द क्लॉक निगरानी क्यों नहीं हो रही बिना फाइन भरे वाहन को खुलेआम रेत ढोने दिया जा रहा है – व क्या खनिज विभाग और स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत से यह पूरा नेटवर्क फल-फूल रहा है?

राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर सवाल- भारत में अवैध खनन और रेत माफिया की समानांतर अर्थव्यवस्था एक गंभीर समस्या बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट और हत्नञ्ज बार-बार सख्त गाइडलाइंस जारी करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें लागू कराने में प्रशासन क्यों नाकाम है?क्या पर्यावरण और सरकार के राजस्व को ऐसे ही चंद माफियाओं के हवाले कर दिया जाएगा?इस मामले को सिर्फ बस्तर या छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए – बल्कि यह पूरे देश में अवैध खनन और भ्रष्ट सिस्टम का जीता-जागता उदाहरण है।

जनहित में मांग- संबंधित वाहन छ्त्र 17 च 6190 को तुरंत जप्त कर दोषियों पर स्नढ्ढक्र दर्ज हो। पूरा वीडियो फुटेज प्रमाण के तौर पर जांच एजेंसियों को सौंपा जाए। जप्त रेत की मात्रा, चालान, फाइन की राशि और बरामदगी का ब्योरा जनता के सामने सार्वजनिक किया जाए। खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच हो। जनता को सवाल पूछना होगा! क्या जनता की निगरानी के बिना यह अवैध रेत कारोबार रोका जा सकता है क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या पूरा मामला दबा दिया जाएगा? इस पूरे मामले का वीडियो फुटेज जल्द ही सार्वजनिक मंचों पर शेयर किया जाएगा, ताकि सच्चाई सबके सामने आए।

कलेक्टर ने वाटरशेड योजना के कार्यों की समीक्षा की

कोंडागांव /मूक पत्रिका

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बीते बुधवार को जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत जिले में संचालित वाटरशेड के कार्यों के प्रगति की गहन समीक्षा की। इस दौरान योजनान्तर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को इन परियोजनाओं का समुचित लाभ मिले। बैठक में कोण्डागांव व बड़ेराजपुर विकासखण्ड अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के प्रगति की जानकारी ली और कार्यों के अप्रारंभ होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित पीआईए को सख्त निर्देशित किया कि गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सभी अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में क्षमता निर्माण हेतु कार्य योजना, उत्पादन प्रणाली और कृषक अंशदान पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर कृषि विभाग के उप संचालक डीपी टांडे सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने "मोर गोठ ल सुनगा, हर घर मुनगा अभियान" का किया शुभारंभ

सुरजपुर /मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने नवा रायपुर स्थित निवास से ''मोर गोठ ल सुनगा, हर घर मुनगा'' अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के तहत मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मुनगा (सहजन) का पौधारोपण कर अभियान की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने कहा कि मुनगा न केवल एक पौष्टिक सब्जी है, बल्कि यह बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को सुधारने में अहम भूमिका निभाएगा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस पहल को जन-आंदोलन में बदलने की अपील करते हुए कहा कि हर घर में मुनगा का पौधा लगाकर हम कुपोषण के खिलाफ एक मजबूत लड़ाई लड़ सकते हैं। पोषण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन द्वारा इस नई पहल की शुरुआत की गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारी तथा निवास कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जेल अधीक्षक ने शिकाकत को बताया दुर्भाग्यपूर

जिला कलेक्टर के दरबार पहुचा सहायक जेल अधीक्षक की शिकायत

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला जेल एक बार फिर विवादों में है। इस बार जेल की महिला कर्मचारियों ने सीधे सहायक जेल अधीक्षक और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी है। महिला प्रहरियों का आरोप है कि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, साथ ही जेल प्रशासन में भ्रष्टाचार व्याप्त है। शिकायत में महिला प्रहरियों ने विस्तार से आरोप लगाए हैं। सबसे पहले उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि वर्षो से महिला स्टाफके लिए निर्धारित अलग प्रवेश द्वार को बंद कर दिया गया है। इसके चलते उन्हें पुरुष बंदियों के स्नानागार और शौचालय वाले रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिसे उन्होंने असुरक्षित और अपमानजनक बताया है।प्रहरियों ने बताया कि ड्यूटी के दौरान उन्हें बार-बार धमकाया जाता है -÷ट्रांसफर करवाना, ÷गोपनीय चरित्रावली खराब करना, वाक्यांशों से माहौल डर का बनाने का ज़िक्र किया गया है। शिकायत पत्र में सहायक जेल अधीक्षक पर यह भी आरोप लगाया गया है कि वह कैदियों के परिजनों से रिश्वत लेकर उनसे मुलाकात, मोबाइल फोन और खाने-पीने की वस्तुओं की जेल में अवैध रूप से व्यवस्था करती हैं। इन कामों में उनके पति की भी कथित तौर पर संलिप्तता है, जो जेल परिसर में आकर महिला कर्मचारियों के काम में हस्तक्षेप करते हैं। महिला कर्मचारियों ने सहायक अधीक्षक के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच, पृथक महिला प्रवेश द्वार की पुनर्बहाली, और सम्मानजनक कार्य वातावरण की बहाली की मांग की है। उन्होंने कहा है कि अब और मानसिक प्रताड़ना सहन नहीं की जा सकती। हालांकि शिकायत जिला कलेक्टर और वरिष्ठ जेल अधिकारियों को सौंप दी गई है, जिला प्रशासन की ओर से अनुविभागीय अधिकारी ने ये प्रतिक्रिया दी है नियमानुसार जांच पश्चात् ही आगे कार्यवाही प्रेषित की जायेगी अभी शिकायत पर जाँच लंबित है।

जेल अधीक्षक ने कहा-इस पूरे विवाद पर जब कांकेर जेल अधीक्षक से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, ÷जेल एक संवेदनशील स्थान है जहां सुरक्षा और अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी महिला प्रहरियों को कोई दिक्कत थी तो अपने महिला अधिकारी से सीधे संपर्क कर सकती थीं। अचानक इस तरह शिकायत करना दुर्भाग्यपूर्ण है।÷महिला कर्मचारियों द्वारा लगाए गए आरोप न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े करते हैं यदि जांच निष्पक्ष होती है तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं। वहीं, यदि मामला दबा दिया गया तो यह कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण की आवश्यकता पर भी प्रश्नचिन्ह छोड़ जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।